mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-179 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
29 जून 2024 शनिवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

राहुल द्रविड़ ने...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव की रेस से बाहर होंगे बाइडेन !

- डिबेट देख घबराई डेमोक्रेटिक पार्टी, ट्रंप ने जमकर लगाई क्लास

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवारों के बीच डिबेट हुई। इस डिबेट में अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन कई बार फंसते हुए दिखे। वहीं ट्रंप का आक्रामक रूप देखने को मिला। ट्रंप लगातार बाइडेन की नीतियों, माइग्रेशन क्राइसिस, रूस यूक्रेन युद्ध को न संभाल पाने का मुद्दा उठाते रहे। इस डिबेट के दौरान बाइडेन फ्रीज होते रहे

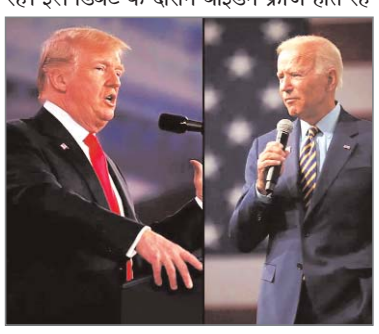

और घबराते दिखे। उन्होंने कई गलत बयान दिए, जिससे उनकी डेमोक्रेट पार्टी में नाराजगी और चिंता पैदा हो गई है। चुनाव में अब चार महीने से भी कम का समय बचा है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि उन्हें उम्मीदवारी से हटाया जा सकता है। इस डिबेट के बाद मुख्य राष्ट्रीय संवाददाता जॉन किंग ने बताया कि आखिर बाइडेन की पार्टी के लोग क्या बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बाइडेन से खुद पद छोड़ने के लिए कहना चाहते हैं। वहीं कुछ लोग सार्वजनिक रूप से इस बारे में बोलने की सोच रहे हैं।

एमएलए बेदी राम अंडरग्राउंड, ओपी राजभर दिल्ली पहुंचे

- पेपर लीक स्टिंग पर योगी सख्त, सीबीआई ने जांच शुरू की

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में पेपर लीक स्टिंग में नाम आने के बाद सुभासपा विधायक बेदी राम अंडरग्राउंड हो गए हैं। वह दो दिन से कहां हैं, इस बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं मिल रही है। पार्टी के नेताओं को भी उनकी लोकेशन की जानकारी नहीं है। मोबाइल बंद है। पेपर लीक स्टिंग पर सरकार भी सख्त है। गुरुवार को सीएम योगी ने सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर को तलब किया। मुलाकात के बाद शुक्रवार सुबह

राजभर दिल्ली पहुंच गए हैं। भाजपा हाईकमान ने इस मामले में रिपोर्ट मांगी है। दरअसल, बेदी राम का 26 जून को एक वीडियो सामने आया। इसमें वह एक युवक से पेपर और लेन-देन की बात कर रहे हैं। बेदी राम कह रहे हैं- मैं बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश कई राज्यों में भर्ती कराता हूं। एक-एक परीक्षा में 40-40 लोगों की भर्ती कराता हूं। इधर, सरकार ने स्टिंग वीडियो की जांच में सीबीआई को लगा दिया।

नीट मामले पर संसद के दोनों सदनों में विपक्ष का हंगामा

कांग्रेस अध्यक्ष वेल में पहुंचे,सभापति धनखड़ बोले-यह संसदीय इतिहास पर काला धबा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद सत्र के पांचवें दिन शुक्रवार को नीट मुद्दे के चलते दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। लोकसभा में कार्यवाही हंगामे के चलते 1 जुलाई तक स्थगित कर दी गई। हालांकि राज्यसभा में कार्यवाही रुक-रुककर चलती रही। बाद में इसे भी 1 जुलाई तक स्थगित कर दिया गया। दरअसल, विपक्ष नीट पर चर्चा की मांग को लेकर स्थगन प्रस्ताव लाया था। लोकसभा स्पीकर ने कहा कि नियमों के मुताबिक राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद के बीच स्थगन प्रस्ताव नहीं लाया जाता। जबकि राज्य सभा में 22 सांसदों के नोटिस को सभापति ने खारिज कर दिया। 24 जून से शुरू हुआ संसद का यह सत्र 3 जुलाई तक चलेगा। राज्य सभा में पीएम मोदी 3 जुलाई को चर्चा का जवाब दे सकते हैं। नीट मामले पर चर्चा की मांग के दौरान राज्यसभा में चेयरमैन जगदीप धनखड़ और नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच विवाद की स्थिति बनी। हंगामे के बीच खड़गे सभापति की आसंदी के पास पहुंच गए, जिस पर धनखड़ भड़क गए और कार्यवाही 2 बजे तक रोक दी। खड़गे सदन से बाहर आकर बोले कि यह चेयरमैन की गलती है। मैं उनका ध्यान खींचने के लिए अंदर गया था लेकिन, तब भी वे नहीं देख रहे थे। वे केवल सत्ता पक्ष को देख रहे थे। नियमानुसार उन्हें मेरी तरफ देखना चाहिए, लेकिन उन्होंने जानबूझकर मुझे अनदेखा करके मेरा अपमान किया। तो मेरे लिए क्या बचा था। मुझे या तो अंदर जाना होगा या बहुत जोर से चिल्लाना होगा। प्रदर्शन कर रहीं कांग्रेस सांसद फूलो देवी नेताम को चक्कर आ गया।

सांसद फूलो देवी की बिगड़ी तबियत

- नीट पेपर लीक मुद्दे पर संसद में कर रहीं थी विरोध-प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी से राज्यसभा सदस्य और छत्तीसगढ़ की वरिष्ठ नेता फूलो देवी नेताम शुक्रवार को संसद में विरोध प्रदर्शन के दौरान बेहोश हो गई और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। वह नीट मुद्दे पर सदन के वेल में

विरोध कर रही थीं, तभी उन्हें चक्कर आने लगे। उन्हें दिल्ली के आरएमएल अस्पताल ले जाया गया है। इसका वीडियो भी सामने आया है। एंबुलेंस में आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल भी बैठी हुई नजर आ रही हैं। संसद के पांचवें दिन की शुरुआत से ही संसद के दोनों सदनों में नीट पेपर लीक को लेकर विपक्ष आक्रामक नजर आया।

बिहार विधानसभा और विधान परिषद का न्यू डेटा

लोकसभा रिजल्ट के बाद 'बड़े भाई' के रोल में फिर बीजेपी

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा और विधान परिषद में फिलहाल भाजपा के सदस्यों की संख्या सबसे ज्यादा है। विधानसभा में भाजपा के अब 78 विधायक हैं, जबकि विधान परिषद में उनकी सदस्यों की संख्या 24 है।

विधानसभा अध्यक्ष पद हो या विधान परिषद सभापति, दोनों पर भाजपा काबिज है। विधानसभा में नंदकिशोर यादव अध्यक्ष हैं तो विधान परिषद में अवधेश नारायण सिंह कार्यकारी सभापति हैं। कहा जा रहा है कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा अभी से ही रणनीति बनाने में जुट गई है। विधान परिषद के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर के लोकसभा जाने के बाद भाजपा के अवधेश नारायण सिंह कार्यकारी सभापति चुने गए। माना जा रहा है कि पिछले विधानसभा चुनाव और हाल में ही हुए लोकसभा चुनाव में शाहाबाद और मगध की हार के बाद विधान परिषद में राजपूत समुदाय के अवधेश नारायण सिंह को सभापति बनाकर पार्टी के रणनीतिकारों ने सवर्णों को एक संदेश देने की कोशिश की है। चुनाव के बाद दोनों सदनों का आंकड़ा बदल गया है।

वैन और लॉरी की टकर के बाद मचा कोहराम, 4 लोग घायल

कर्नाटक में भीषण सड़क हादसा, 13 की मौत

गाड़ी में 17 लोग सवार थे, ड्राइवर को झपकी आने से हुआ हादसा

हावेरी (एजेंसी)। कर्नाटक के हावेरी जिले में वैन और लॉरी की टक्कर में दो बच्चों सहित 13 लोगों की मौत हो गई। चार घायल हैं। वैन में 17 लोग सवार थे। पुलिस ने बताया, हादसा सुबह 3.45 पर हुआ। जब वैन हावेरी जिले के बयादगी में हाईवे किनारे खड़ी एक लॉरी से टकरा गई। चार घायलों में से दो आईसीयू में एडमिट हैं। हावेरी एसपी अंशु कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक, वैन में सवार सभी लोग चिंचोली मयम्मा देवस्थान से आ रहे थे और शिवमोग्गा लौट रहे थे। तभी वैन ने लॉरी को पीछे से टक्कर मार दी। शुरुआती जांच में सामने आया कि ड्राइवर को झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने कहा कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि, कुछ शव वैन के टूटे हिस्सों में फंस गए थे। फायर ब्रिगेड की मदद से उन्हें निकाला गया। मृतकों की पहचान नागेश, विशालाक्षी, आदर्श, अर्पिता, परशुराम, भाग्य, पुण्य, मनसा, रूपा, सुभद्रा बाई, मंजुला बाई और मंजुला के रूप में की गई है। एक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हादसे पर दुख जताते हुए लिखा-कर्नाटक के हावेरी जिले में एक बस दुर्घटना में महिलाओं और बच्चों सहित कई तीर्थयात्रियों की मौत की खबर दुखद है।

पानी-पानी हुई दिल्ली, टूटा 88 साल का रिकॉर्ड

सड़कें जलमग्न,कई जगहों पर टूटे पेड़ और डूबीं गाड़ियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। चिलचिलाती गर्मी और गर्म हवाओं के मौसम के बाद जब बारिश ने सर्द लहजे के साथ दस्तक दी तो हर किसी के चेहरा खिल उठा। लेकिन शुक्रवार की सुबह से बरस रहे बादल राजधानी दिल्ली की व्यवस्थाओं के लिए हर बार की तरह आफत बनते दिख रहे हैं। शहर की सड़कों पर बहता पानी और रुकी हुई गाड़ियों ने सरकारी इंतिज़ाम की पोल खोल कर रख दी है। इतनी बारिश कि रिकॉर्ड तक कायम हो गया। जानकारी ऐसी है कि 88 साल बाद जून के महीने ने इतनी बारिश देखी है। जब सुबह बारिश शुरू हुई तो खबर आई कि आईजीआई एयरपोर्ट पर छत का एक हिस्सा गिर गया। जिससे एक शख्स की मौत भी हो गई। आम लोगों को हो रही ऐसी दिक्कतों से जुड़ी खबरें कई और जगह से भी सामने आ रही हैं। दिल्ली में कई जगह लंबा ट्रैफिक जाम है। भारतीय मौसम विभाग के अधिकारियों के मुताबिक शुक्रवार सुबह 8.30 बजे तक पिछले 24 घंटों में सफदरजंग बेस स्टेशन पर 228.1 मिमी बारिश दर्ज की गई है। सुबह 2.30 बजे से 5.30 बजे तक सफदरजंग स्टेशन पर 148.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट से मिली जमानत

करीब पांच महीने बाद जेल से बाहर आए झारखंड के पूर्व सीएम

रांची (एजेंसी)। झारखंड हाईकोर्ट से पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत मिल गई है। भूमि घोटाले मामले में गिरफ्तार हेमंत सोरेन को 31 जनवरी को ईडी की ओर से गिरफ्तार किया गया था। अदालत के फैसले के बाद वह जेल से बाहर आ गए हैं। हेमंत सोरेन को राहत मिलने के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा और इंडिया अलायंस के नेताओं-कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की है। हेमंत सोरेन के जेल से बाहर आने के बाद झारखंड की राजनीति में कई बदलाव भी देखन को मिल सकता है। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की अदालत ने हेमंत सोरेन को नियमित जमानत दे दी। इससे पहले 13 जून को हेमंत सोरेन के अधिवक्ता और ईडी के एएसजी एसपी राजू की दलील पूरी होने के बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। रांची के बड़गाई अंचल की 8.86 एकड़ जमीन की हेराफेरी मामले में ईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री को 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था। ईडी की ओर से हिरासत में लिए जाने के बाद हेमंत सोरेन की ओर से अपने पद से त्यागपत्र दे दिया गया था और उसके बाद से हेमंत सोरेन रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में हैं। अब अदालत का फैसला आने के बाद उनकी जेल से रिहाई को लेकर प्रक्रिया पूरी की गई।

दरिया का सारा नशा ही उतरता चला गया...

- नेहरू का जिक्र कर सुधांशु ने कांग्रेस को खूब सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में सुधांशु त्रिवेदी ने चुनाव नतीजों का जिक्र करते हुए विपक्ष को जमकर सुनाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तीन चुनाव के बाद भी तीन अंकों में नहीं पहुंच पाई। फिर भी इतनी खुश है। इसके पीछे वह मानसिकता है, जिसमें फेल होने वाला बच्चा यदि थर्ड डिविजन से

भी पास हो जाए तो बहुत खुश होता है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा,तीसरी बार में भी तीन डिजिट में न आ पाने वाले लोग आखिर क्यों पटाखे दाग रहे थे। उन्होंने विपक्ष के फिर चूक जाने को लेकर गजल की कुछ लाइनें भी पढ़ीं। कहा-दरिया का सारा नशा उतरता चला गया, वह डुबाता रहा और मैं उभरता चला गया। मंजिल समझ के बैठ गए जिनको चंद लोग,मैं ऐसे रास्तों से गुज़रता चला गया।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बदलेंगे रिवाज

राज्यों के कृषि मंत्रियों को बुलाया, मोदी सरकार में पहली बार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के नए कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान राज्य के कृषि मंत्रियों से मुलाकात करने जा रहे हैं। खबर है कि बैठकों का दौर 1 जुलाई से शुरू हो सकता है। हालांकि, इसे लेकर केंद्र सरकार की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। खास बात है कि एनडीए सरकार के बीते दो कार्यकालों में पहली बार राज्य के मंत्रियों के साथ ऐसी परामर्श बैठकें नहीं हुई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, चौहान सबसे पहले छत्तीसगढ़ और असम के मंत्रियों के साथ बैठकें करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा पता चला है कि कृषि मंत्रालय ने राज्य के मंत्रियों को पत्र लिखकर बातचीत के लिए बुलाया है। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि साथ ही उन्हें पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन तैयार करने और संबंधित राज्यों में किसानों और खेती की स्थिति पर अपने विचार रखने के लिए कहा गया है। बातचीत में छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने कहा कि वह राज्य सरकार की तरफ से लागू की गई

केंद्र की योजनाओं के तहत यूनिट कॉस्ट में संशोधन की मांग को रखेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार बाजरा की खेती के प्रचार और उत्पादन के लिए कोल्ड चेन स्टोरेज जैसे मुद्दों पर समर्थन मांगेगी।

दुर्योधन का मंदिर, सरकार लेती है टैक्स

ताड़ी का लगता है भोग, 'अपूपा' (दादा) कहते हैं ग्रामीण

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरल को मंदिरों की भूमि माना जाता है। यहां कई प्राचीन मंदिर हैं। कोल्लम जिले के एक सुदूर गांव में दुर्योधन का एक मंदिर है जो अपने आप में खास है। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, यह मंदिर कर चुकाता है। किवदंती है कि राजकुमार दुर्योधन अपनी यात्रा के दौरान थक गए और उन्हें प्यासे लगी। वह पीने के लिए पानी को भटक रहे थे। उन्हें तथाकथित निम्न जाति की महिला ने पीने के लिए ताड़ी दी। दुर्योधन ने इसे खुशी-खुशी स्वीकार कर लिया। उन्होंने महिला और गांव को आशीर्वाद दिया और उन्हें जमीन दे दी। यहीं पर उनका एक मंदिर भी है। पेरुविरुथी मलानाडा मंदिर में दुर्योधन को प्रतिदिन ताड़ी चढ़ाई जाती है। मंदिर में कोई मूर्ति नहीं है। यहां बस एक पॉलिश की हुई गदा रखा गया है। आपको बता दें कि महाभारत में द्रौपदी को निर्वस्त्र करने का आदेश देते समय दुर्योधन खुशी से चिल्लाता है। ग्रामीण उसे 'अपूपा' (दादा) कहते हैं। ग्रामीणों का ताड़ी चढ़ाने के बारे में दिलचस्प दृष्टिकोण है।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से 4 महीने पहले सरकार ने अपना आखिरी बजट पेश किया

महाराष्ट्र में महिलाओं को हर महीने मिलेंगे 1500 कैश

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने गुरुवार को राज्य का बजट पेश किया। इसमें महिलाओं और किसानों के लिए कई योजनाओं का ऐलान किया गया है। किसानों के बिजली बिल बकाया माफ करने से लेकर उन्हें खेती के लिए बोनस देने और महिलाओं को हर महीने रुपए ट्रांसफर करने की योजना शामिल हैं। राज्य में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। फिलहाल राज्य में बीजेपी-शिवसेना (शिंदे गुट) और एनसीपी की सरकार है।

इसका कार्यकाल 8 नवंबर 2024 को खत्म हो रहा है। ऐसे में अक्टूबर 2024 में चुनाव होने की संभावना है। उससे तीन महीने पहले राज्य सरकार इन योजनाओं को लेकर आई है। राज्य के सभी किसानों को कपास और सोयाबीन की खेती के लिए प्रति हेक्टेयर 5000 रुपए का बोनस दिया जाएगा। दुग्ध किसानों को 1 जुलाई 2024 के बाद भी पांच रुपए प्रति लीटर बोनस दिया जाएगा। किसानों के परिजन को 20 की जगह 25 लाख मिलेंगे।

संक्षिप्त समाचार

15 जुलाई तक चलेगा अभियान, 20 स्थानों पर और लगेंगे शिविर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा मुरैना शहर में बकाया बिल राशि जमा करने के लिये शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसमें मुरैना-प्रथम संभाग के अन्तर्गत गणेशपुरा जोन मुरैना शहर जोन एवं दत्तपुरा जोन में विभिन्न जगहों पर शिविर लगाये जा रहे है। अभी तक यहां पर कुल 6 शिविर लगाये जा चुके हैं। इनमें कुल बकाया राशि लगभग 21 लाख प्राप्त किये जा चुके हैं। यहां 26 जून से 15 जुलाई 2024 तक कुल 20 जगहों पर और शिविर लगाये जायेंगे। इसी प्रकार मुरैना-द्वितीय संभाग, अम्बाह संभाग एवं सबलगढ़ संभाग के नगरीय क्षेत्रों में भी बकाया बिल प्राप्त करने के लिये अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्येक दिन बकाया राशि जमा करने के लिये उपभोक्ताओं से मुनादी के माध्यम से अपील की जा रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंधक एवं सहायक प्रबंधकों द्वारा स्वयं उपस्थित रहकर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। महाप्रबंधक द्वारा बड़े बकायादारों से डोर टू डोर जाकर बकाया राशि जमा करने के लिये प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। कलेक्टर मुरैना के निर्देशानुसार सभी संभागों से बड़े बकायादारों की सूची उपलब्ध कराने कहा गया है। अधिकारियों, कर्मचारियों व सुरक्षा गार्डों के द्वारा प्रत्येक दिन बकाया राशि वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन विच्छेदन का अभियान भी चलाया जा रहा है। जांच के दौरान विद्युत चोरी के प्रकरण भी बनाये जा रहे है। कंपनी द्वारा सभी उपभोक्ताओं को सलाह दी गयी है कि वह शिविरों का लाभ लेकर अपना बकाया राशि का बिल जमा कर किसी भी अप्रिय कार्रवाई से बचें।

बाल देखरेख संस्थाओं को नियमित रूप से मिलेगा अनुदान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने मिशन वात्सल्य अंतर्गत संचालित बाल देखरेख संस्थाओं को शीघ्र अनुदान राशि प्रदान करने के निर्देश दिये। उन्होंने विभाग द्वारा ऐसी संस्थाएँ, जिन्हें दो या तीन सालों से अधिक समय से मान्यता दी गयी है और वे बिना किसी अनुदान के संस्था का संचालन कर रहे हैं, ऐसी सभी संस्थाओं को सूचीबद्ध कर भविष्य में पीएबी की बैठक में अनुमोदन के लिये प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि बाल देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चे अत्यंत संवेदनशील हैं। ऐसे में इन बच्चों की देखभाल करने वाली संस्थाओं को लंबे समय से अनुदान न मिलने से इन्हें दी जाने वाली सेवाएँ निश्चित तौर पर प्रभावित हुई हैं। अतः यह भी सुनिश्चित किया जाये कि भविष्य में इन संस्थाओं को नियमित रूप से अनुदान मिल सके। इसके लिये आवश्यक कार्य-प्रणाली विकसित की जाये। उन्होंने संस्थाओं को भी निर्देशित किया है कि निवासरत बच्चों को गुणवत्तापूर्ण सेवा मिले, यह सुनिश्चित किया जाये।

ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द का एमएसपी पर 31 जुलाई तक होगा उपार्जन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश सरकार ने ग्रीष्मकालीन मौसम वर्ष 2024 में प्राइस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत प्रदेश के जिलों में समर्थन मूल्य पर कृषकों द्वारा उत्पादित ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द की उपज का उचित दर पर उपार्जन करने का निर्णय लिया गया है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना ने बताया है कि उपार्जन कार्य 24 जून से आरंभ हो गया है। किसान भाईयों से ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द का उपार्जन 31 जुलाई तक किया जायेगा।

शराब के नशे में स्कूल पहुंचने और अभद्र व्यवहार करने पर शिक्षक निलंबित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्राथमिक शाला जमनापुर परासिया, देवरी सागर में पदस्थ प्राथमिक शिक्षक श्री रामलाल अहिरवार शराब के नशे में स्कूल पहुँचने और छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों के साथ अभद्र व्यवहार करने पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री अरविंद जैन ने उन्हें निलंबित किया है। सागर के प्रिंट एवं सोशल मीडिया के संस्करणों में खबर प्रकाशित हुई थी कि शास. प्राथमिक शाला जमनापुर परासिया, विकासखण्ड देवरी जिला सागर में पदस्थ श्री रामलाल अहिरवार ने शराब के नशे में धुत होकर स्कूल पहुंचकर छात्रों एवं अभिभावकों के साथ अभद्र व्यवहार किया और संस्था के छात्रों के बैगो पर लोटने लगे। शिक्षक की हरकतों की खबर लगते ही अभिभावक भी संस्था में पहुंच गये। अभिभावकों द्वारा बात करने पर शिक्षक नशे की हालत में कुछ बोलने की स्थिति में नहीं था। शिक्षक द्वारा शराब के नशे में बच्चों के साथ मारपीट भी की गई। श्री अहिरवार का उक्त कृत्य गंभीर कदाचरण, शिक्षकीय गरिमा, के प्रतिकूल, विभाग एवं जिले की छवि धूमिल की जाना परिलक्षित होने के साथ ही म.प्र. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 का उल्लंघन है। म0प्र0 सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम के तहत श्री रामलाल अहिरवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

शैक्षणिक संस्थानों को सर्वसुविधायुक्त बनाएंगे

मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अनूपपुर जिले के एकलव्य मॉडल तथा कन्या शिक्षा परिसर, क्रीड़ा परिसर जैसे विशिष्ट संस्थाओं सहित अन्य विद्यालयों को सर्वसुविधायुक्त बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इन संस्थाओं में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को एक ही छत के नीचे सभी सुविधाएं तथा बेहतर शैक्षणिक वातावरण दिलाया जाएगा। जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन, गैस त्रासदी राहत एवं पुर्नवास विभाग के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने अनूपपुर में विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक में व्यक्त यह विचार व्यक्त किये। राज्य कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री रामलाल रौतेल, कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ, पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र सिंह पवार सहित जनजातीय कार्य विभाग की विशिष्ठ शैक्षणिक संस्थाओं व विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित थे। जनजातीय मंत्री डॉ. शाह ने कम्पनी सामाजिक उत्तरदायित्व निधि (सीएसआर फंड) से जिले के विशिष्ट शैक्षणिक संस्थाओं के छात्रावासों में सीसीटीव्ही, उपस्थिति के लिए बायोमैट्रिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने संबंधी नवाचार करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सीएम राईज स्कूल भवन का निर्माण समय-सीमा में सुनिश्चित कराया जाए। जिससे भवन की लागत का इस्टीमेट रिवाईज्ड न करना पड़े। उन्होंने जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यों की मॉनीटरिंग तथा संविदाकार व निर्माण एजेंसी से समय-समय पर समीक्षा सहित निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का भी परीक्षण कराने के निर्देश दिए। मंत्री डॉ. शाह ने अधिकारियों को विद्यालयों तथा छात्रावासों की सभी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि छात्रावासी बच्चों की स्वच्छता का परीक्षण किया जाए तथा कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं को सेनेटरी नैपकीन आदि की उपलब्धता भी सुनिश्चित हो सके। की जाए। विद्यालयों की लाईब्रेरी को व्यवस्थित करने तथा ई-लाईब्रेरी के संचालन को प्रभावी बनाया जाये। जिले की विशिष्ट शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थियों को हाईटेक बनाने के लिए विद्यार्थियों को टैब से जोड़ने के प्रयास किये जायें। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि बड़े शहरों की तर्ज पर अनूपपुर जिला मुख्यालय में स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स की स्थापना की जाए, जिससे यहां के बच्चे भी अच्छे खिलाड़ी बनकर राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित कर सकें। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा 89 आदिवासी विकासखण्डों में लाईब्रेरी स्थापना के प्रयास किए जा रहे हैं। इन लाईब्रेरियों में धार्मिक, सामाजिक, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा सामान्य ज्ञान आधारित पुस्तकें उपलब्ध रहेंगी। लाईब्रेरी में पाठकों के लिए न्यूनतम शुल्क निर्धारित रहेगा।उन्होंने बताया कि बांधवगढ़ में राष्ट्रीय स्तर का ट्राईबल म्यूजियम सह हाट बाजार स्थापित करने की योजना पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आगामी 01 से 07 नवम्बर तक ट्राईबल फेस्टिवल बांधवगढ़ में मनाए जाने का प्रस्ताव भी विचाराधीन है।

सामाजिक वानिकी द्वारा हरित चलित वाहन से पौधे प्रदाय करने की व्यवस्था

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सामाजिक वानिकी वृत्त, भोपाल द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मानसून सीजन में भोपाल तथा आसपास के क्षेत्रों में आम जन-मानस को पौधारोपण के लिये हरित चलित वाहन'' द्वारा भोपाल शहर तथा शहर से लगे क्षेत्रों में चिन्हित स्थान पर पौधों का विक्रय किया जायेगा। वन संरक्षक, सामाजिक वानिकी वृत्त भोपाल ने बताया कि पौधों का विक्रय सोमवार को नीलबड़, रातिबड़, नेहरू नगर, कोटरा, भदभदा, अशोका गार्डन, सेमरा, प्रभात पेट्रोल पम्प रायसेन रोड एवं आसपास के क्षेत्रों में, मंगलवार को करोंद, बड़वाई, ईंटखेड़ी, अरवलिया, कर्राखेड़ा, गुलमोहर, शाहपुरा, त्रिलंगा, चूनाभट्टी एवं आसपास के क्षेत्रों में, आनंद नगर, कल्पना नगर, गोविंदपुरा, खजूरीकला, बागसेवनिया, कटरा हिल्स, 11 मील चौराहा, मण्डीदीप एवं आसपास के क्षेत्र, गुरुवार को गाँधी नगर, कोहेफिजा, लालघाटी, शांति नगर, मिसरोद, रापड़िया, जमुनिया, बंगरसिया एवं आसपास के क्षेत्र और शुक्रवार को कोलार, मंदाकिनी, चीचली बैरागढ़, गेहूँखेड़, बगरोदा, कंकाली मंदिर, सूखी सेवनिया, बैरसिया एवं आसपास के क्षेत्र में इस मानसून सीजन में अपने घर-आँगन, रिक्त भूमि पर पौधों का रोपण करें तथा उनकी देखभाल कर उन्हें वृक्ष के रूप में विकसित कर पर्यावरण संवर्धन में अपना पूर्ण योगदान दें। वन संरक्षक, सामाजिक वानिकी वृत्त भोपाल ने बताया कि सुबह 11 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक चिन्हित स्थानों पर विक्रय के लिये हरित चलित वाहन में पौधे उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने बताया कि अहमदपुर एवं भदभदा रोपणियों से भी पौधे क्रय किये जा सकते हैं। पौधे विक्रय की दर 14 रुपये प्रति पौधा निर्धारित है। इस संबंध में जानकारी प्राप्त करने के लिये मोबाइल नम्बर-9424796469 पर सुबह 11 से शाम 4 बजे तक सम्पर्क किया जा सकता है।

उद्योगों को प्रोत्साहित करना अहम - मंत्री श्री काश्यप

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। विश्व एमएसएमई दिवस पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप ने मंत्रालय में सागर, बैतूल एवं बुरहानपुर जिले के क्लस्टरों की समीक्षा के दौरान कहा कि उद्योगों को प्रोत्साहित करना अहम है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा प्रदेश में निवेश एवं रोजगार सृजन के लिये उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिये निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। इसके लिये निवेश अनुकूल नीतियाँ लागू की गयी हैं। उन्होंने कहा कि क्लस्टर विकास योजना भी लागू की गयी है। यह प्रयास किये जा रहे हैं कि उद्योगों को लगाने के लिये आसानी से भू-खण्ड उपलब्ध हो सके। मंत्री श्री काश्यप ने सागर, बैतूल एवं बुरहानपुर जिले के उद्यमियों से प्रगति के बारे में चर्चा की। मंत्री ने कहा कि क्लस्टरों के निर्माण से प्रदेश में बड़ी संख्या में टेक्सटाइल, फर्नीचर एवं अन्य क्षेत्रों में उद्योग स्थापित हो सकेंगे।

इससे युवाओं को रोजगार के नये अवसर प्राप्त होंगे। उद्योग आयुक्त डॉ. नवनीत मोहन कोठारी ने उद्यमियों को आश्वस्त किया कि विभाग द्वारा अपेक्षित सहयोग प्रदान किया जायेगा। विश्व एमएसएमई दिवस पर मंत्रालय में एमएसएमई मंत्री श्री काश्यप का सागर, बैतूल एवं बुरहानपुर जिले के उद्यमियों द्वारा स्वागत किया गया।

नवीन पोर्टल पर ऑनलाइन जन्म प्रमाण-पत्र बनाने की सुविधा मिलेगी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जन्म-मृत्यु पंजीकरण संशोधन अधिनियम 2023 द्वारा 11 अगस्त 2023 से प्रत्येक बच्चे का जन्म प्रमाण-पत्र अनिवार्य होगा जो कि बच्चे के स्कूल में प्रवेश, आधार कार्ड, पेन कार्ड, पासपोर्ट, ड्रायविंग लाईसेंस इत्यादि के लिये आवश्यक होगा।

जन्म प्रमाण-पत्र जन्म स्थान एवं जन्म तारीख का वैधानिक दस्तावेज होगा। संशोधित अधिनियम-2023 के आधार पर भारत के महारजिस्ट्रार तथा म.प्र. के मुख्य रजिस्ट्रार के निर्देशन मे जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिये नवीन पोर्टल विकसित किया गया है। इस पोर्टल से आम जन सीधे ऑनलाइन आवेदन कर प्रमाण पत्र अपने ई-मेल पर प्राप्त कर सकेंगे।

यह पोर्टल यूजर फ्रेंडली और बहुत सरल है। पोर्टल पर आवेदक द्वारा दिया गया डाटा पोर्टल पर सुरक्षित भी रहेगा। संयुक्त संचालक एवं जिला रजिस्ट्रार (जन्म मृत्यु) श्री यू.एस.पठारिया द्वारा भोपाल के सभी रजिस्ट्रार, उप-रजिस्ट्रार तथा शासकीय एवं अशासकीय चिकित्सालयों के लिये विस्तृत प्रशिक्षण जून यू.एन.डी.पी. सभाकक्ष विन्ध्याचल भवन में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य रजिस्ट्रार कार्यालय से श्री विश्वजीत रायकवार (संयुक्त संचालक), श्रीमती प्रेमा खाखा (संयुक्त संचालक), श्री बी.आर. बरबडे (उप संचालक) तथा जनगणना कार्य निदेशालय से श्रीमती एन्सी रेजी (सहायक निदेशक) तथा सुश्री आयुषी, मुख्य प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में जन्म मृत्यु पंजीकरण संशोधन अधिनियम 2023 तथा नवीन विकसित सी.आर.एस. पोर्टल पर विस्तृत जानकारी सभी रजिस्ट्रार, उप रजिस्ट्रार तथा शासकीय एवं अशासकीय चिकित्सालयो से सम्मलित प्रशिक्षणार्थियों ने प्राप्त की और सभी प्रश्नों का समाधान भी किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मृत्यु प्रमाण-पत्र की अनिवार्यता पर भी चर्चा की गई।

शहरी स्वास्थ्य केंद्र कोलुआ कला भोपाल ने पाये गुणवत्ता प्रमाणीकरण में 99.7 फीसदी अंक, पूरे देश में सर्वाधिक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोलुआ कला को 99.7 प्रतिशत अंकों के साथ नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड सर्टिफिकट प्राप्त हुआ है। ये प्रमाणीकरण स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी किया गया है। देश में पहली बार किसी भी स्वास्थ्य संस्था को इतने अधिक अंक प्राप्त हुए हैं। भारत सरकार के दल ने 8 और 9 नवंबर को संस्था का मूल्यांकन किया था। इस दौरान नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड की नेशनल असेसर डॉ सोमजिता चक्रवर्ती एवं डॉ रूबी साहनी द्वारा संस्था एवं समुदाय में प्रदाय सेवाओं को परखा गया था । उल्लेखनीय है कि शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोलुआ कला का पुनर्मूल्यांकन इस साल मार्च माह में भी किया गया था। इन दोनों मूल्यांकन के दौरान दल द्वारा संस्था प्रभारी डॉ प्रांजल खरे एवं उनकी टीम द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उत्कृष्ट स्वास्थ्य संस्था बताया गया था। मूल्यांकन के दौरान दल द्वारा संस्था के सभी रिकॉर्ड्स एवं रजिस्टर एवं मरीजों को दी जा रही सेवाओं के प्रोटोकॉल के बारे में जानकारी ली गई थी। साथ ही नर्सिंग ऑफिसर, एएनएम, आशा कार्यकर्ता से फील्ड के अनुभवों का फीडबैक एवं स्टाफ की क्षमता आकलन के लिए उनका साक्षात्कार भी लिया गया । मूल्यांकन दल द्वारा आंगनवाड़ी में हितग्राहियों से बात करके संस्था में दी जा रही सेवाओं का फीडबैक भी लिया गया एवं सामुदायिक स्तर पर प्रदान की जा रही सेवाओं की जानकारी ली गई।

शब्दों का असीमित भंडार है भारत में, यहाँ हुआ है शब्दों पर गम्भीर चिंतन -प्रो. सलूजा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के स्वर्ण जयंती सभागार में भारतीय ज्ञान प्रणाली और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में शब्दावली में परिवर्तन पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के विशेषज्ञ विद्वान और शिक्षाविद् भाग लेने के लिए उज्जैन आए हैं। कार्यशाला का उद्घाटन समारोह 27 जून को हुआ।मुख्य अतिथि वक्ता प्रो. चाँदकिरण सलूजा, वरिष्ठ शिक्षाविद्, नई दिल्ली थे। अध्यक्षता प्रो. अखिलेश कुमार पांडेय, कुलगुरु, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन ने की। विशिष्ट अतिथि मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल के निदेशक श्री अशोक कड़ेल एवं कार्यपरिषद सदस्य श्री राजेशसिंह कुशवाह थे। सारस्वत अतिथि प्रो. सी.जी. विजयकुमार मेनन, कुलगुरु, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन, प्रो. खेमसिंह डहेरिया, कुलगुरु, अटलबिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल, प्रो. गिरीशनाथ झा, चेयरमैन, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली थे।

कुलानुशासक एवं मुख्य समन्वयक प्रो. शैलेंद्रकुमार शर्मा ने संगोष्ठी की पीठिका प्रस्तुत की। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता पूर्व कुलगुरु प्रो. बालकृष्ण शर्मा एवं पूर्व डीएसडब्ल्यू प्रो. राकेश ढंड ने की। वरिष्ठ शिक्षाविद प्रो. चाँदकिरण सलूजा, नई दिल्ली ने अपने बीज व्याख्यान में कहा कि भारत में शब्दों का असीमित भंडार है और यहाँ शब्दों पर गम्भीर विमर्श हुआ है। जीवन के प्रत्येक व्यवहार और ज्ञान के सभी क्षेत्रों का समावेश वेदों में है। भारतीय शास्त्र परंपरा में शब्द, अक्षर, छंद आदि की व्यापक पहचान की गई है। किसी ग्रंथ का अर्थ कैसे किया जाए, इसके लिए विभिन्न प्रकार की युक्तियों का समावेश किया गया है। मूल ग्रंथ और उनमें निहित असंख्य शब्दों को पहचानें, यह जरूरी है। मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ के संचालक श्री अशोक कड़ेल ने कहा कि सुसंस्कृत मानव का निर्माण भारतीय चिंतन का उद्देश्य है। संपूर्ण देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में मध्य प्रदेश और विक्रम विश्वविद्यालय अग्रणी रहे हैं।

खनिज साधन विभाग की मासिक राजस्व समीक्षा बैठक में दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार अवैध उत्खनन और परिवहन पर प्रभावी कार्यवाही, खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी कार्यवाही तथा रेत खनिज की इनस्ट्रीम माइनिंग पर प्रभावी रोक लगाने तथा जितनी मात्रा की ईटीपी जारी की गयी है, उससे अधिक परिवहन न हो तथा स्वीकृत क्षेत्र से बाहर उत्खनन न हो, इस पर सतत निगरानी के लिये कार्यवाही करने के लिये प्रमुख सचिव, राजस्व एवं खनिज साधन विभाग ने समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रकरण दर्ज किया जाकर रोकथाम की कार्यवाही करें।

प्रमुख सचिव राजस्व एवं खनिज साधन ने कलेक्टर्स को निर्देश दिये कि खनिज साधन विभाग द्वारा रेतधारित जिलों के लिये रेत खदान अधिक से अधिक घोषित किये जाने के लिये पूर्व में निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि अभी तक 9 जिलों में कार्यवाही की गयी है। शेष जिलों में अभियान चलाकर 15 जुलाई तक बी-2 श्रेणी की अधिक से अधिक से अधिक संख्या में खदाने घोषित किया जाना और इसके साथ ही 250 हेक्टेयर तक रकबा वाली 20 बी-1 श्रेणी की खदानों को 15 सितम्बर, 2024 तक चिन्हित कर घोषित किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि खदानों की जियो-रिफ्रेशिंग अपलोड करने के लिये कहा गया। अवैध उत्खनन पर प्रभावी रोकथाम को ध्यान में रखते हुए स्वीकृत क्षेत्र से बाहर उत्खनन की पहचान कर कार्यवाही किये जाने के लिये मुख्य एवं गौण खनिज की खदानों के जियो-रिफरेंस कर पोर्टल पर अपलोड किये जायें। उन्होंने कहा कि समय-सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित करें। प्रमुख सचिव ने निर्देश दिये कि देवास एवं नरसिंहपुर में प्रगति का प्रतिशत कम है। प्रगति बढ़ाने के साथ जियो-रिफरेंस कर पोर्टल पर जानकारी अपलोड करें।

प्रमुख सचिव ने कहा कि उत्खनन पट्टे के आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण करें। इससे उत्खनन पट्टों के आवेदनों का जिलेवार प्रदेश के लंबित प्रकरणों का निराकरण न होने से जिले का राजस्व प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि आम जनता को खनिजों की आसानी से उपलब्धता नहीं हो पाती है। इसके लिये समस्त जिलों में लंबित आवेदनों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में किया जाये। चार हजार हेक्टेयर से कम रकबा के लंबित आवेदनों का निराकरण कलेक्टर जिला स्तर पर ही करने का प्रयास करें।

प्रमुख सचिव राजस्व एवं खनिज साधन ने कहा कि बंद खदानों को व्यपगत किया जाये। उन्होंने कहा कि मुख्य खनिज के पट्टे अनुबंध निष्पादन की तारीख से 2 वर्ष की अवधि के भीतर खदान से उत्पादन और प्रेषण नहीं हुआ है या खदान प्रारंभ होने के पश्चात 2 वर्ष से निरंतर बंद है, ऐसी खदानों को व्यपगत किया जाये।

प्रमुख सचिव राजस्व एवं खनिज साधन ने भूमि प्रदाय के लिये वन भूमि में खनिरियायत के प्रस्ताव में वन संरक्षण अधिनियम-1980 के तहत होने वाली कार्यवाही के अंतर्गत भूमि प्रदान करने के संबंध में प्रदेश के समस्त कलेक्टर्स अपने जिला अंतर्गत ऐसी भूमियों का चिन्हांकन कर लैण्ड बैंक में शामिल करें। इसके लिये सर्वेक्षण एवं जाँच आवश्यक रूप से करायी जाये, जिससे संबंधित आवेदकों को प्रदेश में फॉरेस्टेशन के लिये भूमि समय-सीमा में उपलब्ध करायी जा सके।

विधायक की पहल पर सेमरिया अस्पताल को मिली एक्सरे मशीन की सौगात, हो रही बेकार

सुचारू संचालन में सीबीएमओ बन रहें वाधक, ग्रामींण हो रहें परेशान

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। ग्रामींण अंचलो में आखरी पंक्ति के आखरी व्यक्ति को उच्च गुणवत्ता युक्त नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने हेतु राज्य शासन द्वारा हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। वहीं जिला मुख्यालय से महज बीस किलोमीटर की दूरी पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेमरिया में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से बेपटरी हो चली है। कार्य अवधि के दौरान ज्यादातर चिकित्सक कार्य स्थल से नदारत रहते हैं। जिसकी शिकायत के बाद जेडी कार्यालय रीवा के द्वारा सेमरिया अस्पताल का औचक निरीक्षण कर व्याप्त लचर व्यवस्था के प्रति काफी नाराजगी जताई गई थी। कुछ दिन सभी स्वास्थ्य कर्मी समय से अस्पताल पहुँचे किन्तु कुछ दिन बाद फिर सभी पुराने ढर्रे पर चलने लगे हैं। ग्रामींणो ने

जिला अधिकारी एवं जन प्रतिनिधियों का ध्यान आकृष्ट कर उचित विधिक कार्रवाई की मांग की है।

विधायक की पहल पर मिली एक्सरे मशीन हो रही बेकार – हजारों मरीजों की स्वास्थ्य संबधी दिक्कतों को देखते हुए सीधी विधायक की विशेष पहल पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेमरिया को एक्सरे मशीन की सौगात दी गयी साथ ही शासकीय कर्मचारियों की मांग पर उक्त मशीन को संचालित करने के लिये दक्ष टेक्नीशियन की भी व्यवस्था कराई गयी। वहीं ग्रामींणो का आरोप है कि सीबीएमओ सेमरिया के लचर व्यवस्था के चलते उक्त उक्त मशीन का संचालन कई माह बाद भी नही हो पाया है, उक्त मशीन को अस्पताल में रख कर उस कमरे में ताला जड़ दिया गया है। जिससे यहाँ आने वाले मरीजों को एक्सरे की सुविधा का लाभ नही मिल पा रहा है। ग्रामीणो ने जिला प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की है साथ ही बताया कि मरीजों को मिलने वाली नि:शुल्क सुविधाओं में सीबीएमओ बाधक साबित हो रहे हैं।

जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र में रिश्वतखोरी का आरोप – सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेमरिया में मरीजों की समस्यायें दिनो दिन बढ़ती जा रही है। जिसके चलते ग्रामींणो में दिनो दिन आक्रोश पनप रहा है। ग्रामींणो ने मीडिया से चर्चा के दौरान अस्पताल प्रबंधन पर रिश्वतखोरी का गंभीर आरोप लगाया है। बताया कि यहाँ जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र लेने के लिये आने वाले लोगों को जानबूझ कर परेशान किया जाता है, वहीं जिन व्यक्तियों के द्वारा इनके द्वारा निर्धारित सेवा शुल्क अदा की जाती है उन्हे जल्द ही प्रमाण पत्र दे दिया जाता है।

इनका कहना है -

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेमरिया में मरीजों को एक्सरे सुविधा का लाभ न मिलना अनुचित कार्य है। अभी मैं आवश्यक बैठक में हूँ। जल्द ही लगाये जा रहे आरोपों की जाँच की जायेगी साथ ही दोष प्रमाणित होने पर आरोपियों के विरूद्ध उचित विधिक कार्रवाई की जायेगी।

डॉ.इन्द्रजीत गुप्ता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीधी।

डॉ. राजेश मिश्रा आज सीधी में, लेंगे विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा संसद के दो दिनो के अवकाश के दौरान शेष बचे समय में जनता जनार्दन के बीच रहेंगे। सांसद डॉक्टर मिश्रा 29 जून को समीक्षा बैठक जनपद पंचायत रामपुर नैकिन में दोपहर 12 बजे सामुदायिक भवन रामपुर नैकिन चुरहट विधानसभा में भाग लेंगे वहीं 30 जून को पार्टी के विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों जैसे प्रधानमंत्री के मन की बात, ग्राम बैरिहा पूर्व में एवं वृक्षारोपण सुबह 11 से दोपहर 12.30 बजे तक उसके पश्चात लोकतन्त्र सेनानियों के सम्मान उनके निवास पर जाकर, दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक जन दर्शन कार्यक्रम सांसद कार्यालय में शामिल होने के पश्चात शाम 6 बजे दिल्ली प्रस्थान करेंगे। सांसद डॉक्टर मिश्रा ने उक्त कार्यक्रम में सभी पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं आमजनो को आमंत्रित किया है।

अंकिता मिश्रा बिटनरी सर्जन हेतु चयनित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। एमपीपीएससी 2022 में हुई परीक्षा में ग्राम पंचायत कुड़िया कोठार से अंकिता मिश्रा पिता रावेद्र प्रसाद मिश्रा बिटनरी सर्जन के पद पर चयनित हुई हैं। अंकिता मिश्रा की प्रारंभिक शिक्षा मझौली सरस्वती स्कूल में हुई इसके बाद नवोदय विद्यालय चुरहट में आगे की शिक्षा दिक्षा ली। अंकिता मिश्रा ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने बाबा बांकेलाल मिश्रा, पिता रावेद्र प्रसाद मिश्रा एवं माता संगीता मिश्रा को दिया है। बधाई देने वालों में कुड़िया सरपंच अरुण कुमार तिवारी, राघव प्रसाद तिवारी, नंदलाल मिश्रा, ददाउ तिवारी, चंद्रशेखर तिवारी, राजेंद्र तिवारी, अरुण मिश्रा, भूपेंद्र तिवारी, रमेश तिवारी सहित अन्य जन शामिल हैं।

केंद्रीय मंत्री गड़करी से मिले सांसद

सीधी की सड़कों का होगा कायाकल्प, बनेंगी विश्व स्तरीय

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी से सीधी लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने मुलाकात कर क्षेत्र के विकास की संभावनाओं के साथ-साथ सीधी से लगने वाली चारों दिशाओं में फोरलेन सड़कों का विश्व स्तरीय जाल बिछाने की मांग की, जिस पर गडकरी ने गंभीरता से विचार करने की बात कही है।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे ने बताया कि नवनिर्वाचित सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से रीवा से मोहनिया टनल तक, सोन से सीधी तक फोरलेन, तथा सीधी-सिंगरौली निर्माणाधीन सड़क के कार्य में शीघ्र गति से प्रारम्भ किए जाने एवं प्रयागराज से सीधी व सीधी

से टिकरी फोरलेन और सीधी से ब्यौहारी होते हुए शहडोल फोरलेन की मांग की एवं सीधी स्थित टोल प्लाजा को दूर स्थापित करने की भी मांग की, जिससे सीधी क्षेत्रवासियों को सुविधा का लाभ मिल सके।

सांसद डॉ राजेश मिश्रा द्वारा केंद्रीय मंत्री गडकरी को सौंप गए पत्र में सड़कों के व्यापक विस्तार की बात कही गई है, जिस पर तत्परता दिखाते हुए केंद्रीय मंत्री ने सम्पूर्ण विषयों एवं मांगों को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए शीघ्र पूरी करने का आश्वासन दिया हैं। इसके पूर्व सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने केंद्रीय मंत्री गडकरी को रिकॉर्ड मतों से जीतने के लिए और केंद्रीय मंत्री पुन: बनने के लिए शुभकामनाएं दी और केंद्रीय मंत्री गडकरी ने नवनिर्वाचित सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा को भी हार्दिक बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी।

पेपर लीक मामले में 1 जुलाई को जिला कांग्रेस कमेटी का धरना-प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिला कांग्रेस कमेटी प्रवक्ता पंकज सिंह ने बताया कि प्रदेश में सरकार की सह पर शिक्षा माफ्याओं द्वारा युवाओं के भविष्य के साथ किये जा रहे खिलवाड़ और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में हो रहे घोटालों, प्रदेश में हुये नर्सिंग घोटाले और पेपर लीक घोटालों के विरोध में प्रदेश की भाजपा सरकार को घेरने के लिए जिला कांग्रेस कमेटी का धरना.प्रदर्शन एवं राज्यपाल के नाम ज्ञापन जिला कलेक्टर को सौपा जाएगा।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में लगातार शिक्षा माफ्याओं द्वारा किये जा रहे शिक्षा घोटालों से सत्तारूढ़ प्रदेश की भाजपा सरकार के कार्यकाल में युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो गया है।

सरकार की शिक्षा विरोधी नीतियों के खिलाफ जिले के कलेक्टर कार्यालय के समक्ष 1 जुलाई को सुबह 10 बजे वीथिका भावन में धरना.प्रदर्शन कर चिकित्सा शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुये कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जायेगा।

शुक्रवार 28 जून को जवाहर कांग्रेस भवन में जिला अध्यक्ष ज्ञान की अध्यक्षता मे कांग्रेस पार्षदगण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों सहित सभी मोर्चा सहयोगी संगठनों के अध्यक्षों की बैठक आहूत हुई। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन उपाध्यक्ष दिनेश पाठक ने किया एवं उक्त कार्यक्रम की जानकारी जिला कांग्रेस प्रवक्ता पंकज सिंह ने दी और कार्यक्रम का आभार सुनील सिंह किया।

सेवानिवृत प्रधानाध्यापक ने गोद लिए गरीब छात्र को 9वीं कक्षा में दिलाया प्रवेश

मीडिया ऑडीटर, जवा निप्र। रीवा जिले के जवा तहसील अंतर्गत सेवानिवृत प्रधानाध्यापक सुशील कुमार सिंह निवासी बाबा की बरौली ने बीते कई वर्षों से क्षेत्र के गरीब परिवार के बच्चो को गोद लेकर उन्हें मुक्त शिक्षा देने का बीड़ा उठाये है जिनके सराहनीय पहल की प्रशंसा हो रही है।

इसी कड़ी में उन्होंने शैक्षिक गोद लिए छात्र राहुल बशोर पिता छोटेलाल बसोर ग्राम बाबा की बरौली को कक्षा 9वी में ज्योतिबाराव उच्च माध्यमिक विद्यालय जवा में प्रवेश दिलाया। उन्होंने लोगो से अपील करते हुए कहा कि जो लोग सक्षम है वो एक गरीब बच्चे को गोद लेकर मुक्त शिक्षा दिलाये जब शिक्षित भारत होगा तभी समृद्ध भारत होगा।

जन्मजात विकलांगता को दूर करने का चल रहा प्रयास: डॉ. अरविंद सोनी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। डॉ. एसबी खरे सिविल सर्जन जिला अस्पताल सीधी के निर्देशन एवं आरबीएस के टीम व अनुष्का फाउंडेशन के समग्र प्रयास से जिला अस्पताल सीधी में प्रत्येक शुक्रवार को क्लब फुट क्लिनिक आयोजित की जाती है। जिसमें जन्मजात विकृति वाले नवजात बच्चों के पैर को प्लास्टर के द्वारा सुधारने का प्रयास किया जाता है। अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ.अरविन्द सोनी ने बताया कि 28 जून को को तीन बच्चों का जिला अस्पताल में इलाज किया गया। साथ ही बताया गया कि उक्त गंभीर बीमारी का उपचार सिर्फ समय पर प्लास्टर और सही देख रेख द्वारा किया जा सकता है। इसके साथ ही नन्हे मरीजों को 5 वर्ष तक एक विशेष प्रकार के जूते प्रदान किए जाते हैं। जिससे पंजों में विकृति को सुधारा जाता है। इस प्रकार के सुधारात्मक इलाज में बच्चों को अगर समय से लाया जाए तो निश्चित ही सुधार की संभावना ज्यादा रहती है और

हत्या के आरोपी का घर गिराया

जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में हुआ था विवाद, विंध्यनगर थाना क्षेत्र का मामला

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। जिले के विंध्यनगर में जमीनी विवाद को लेकर 26 जून को दो पक्षों में मारपीट होने से एक की मौत हो गई थी। शुक्रवार को प्रशासन ने हत्या के आरोपी के घर पर बुलडोजर चला दिया।

जानकारी के अनुसार, विंध्यनगर थाना क्षेत्र के ढ़ोंटी गांव में बुधवार को शत्रुघ्न सिंह और मोतीचंद्र साहू के बीच जमीन को लेकर जमकर विवाद हुआ था। विवाद के दौरान शत्रुघ्न सिंह, उनके बेटे ने मोतीचंद्र साहू (60) के सिर पर लाठी मारकर घायल कर दिया था। इलाज के दौरान बुजुर्ग की मौत हो गई थी।

मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया था कि शत्रुघ्न सिंह और उसके परिवार ने बेरहमी से मोतीचंद्र के साथ मारपीट की थी। जिससे उसकी मौत हुई है।

थाना प्रभारी अर्चना द्विवेदी ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से मामला दर्ज कराया गया है। 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें तीन पुरुष और दो महिला शामिल हैं।

इस मामले में सिंगरौली नगर निगम आयुक्त से मोबाइल से जानकारी लेने को कोशिश की गई। तो उन्होंने कहा कि अभी मैं व्यस्त हूं। कुछ देर बाद बात करने का बोला। इसके बाद वे कॉल नहीं उठा रहे हैं।

एनसीएल खदान जयंत में हादसा

कोयला लोड होलपैक ने कैंपर को मारी टक्कर, एक की मौत, 4 घायल

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। एनसीएल जयंत खदान ईस्ट क्षेत्र में शुक्रवार को कोयला से लोड होलपैक डंपर बोलेरो कैंपर पर चढ़ गया। हादसे में एक व्यक्ति की जान चली गई। वहीं चार लोग गंभीर रुप से घायल हैं।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह लगभग 8 बजे कैंपर (ब्ळ 12 2686) में सवार 5 लोग खदान क्षेत्र के अंदर जा रहे थे। तभी पीछे से होलपैक ने कैंपर को टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि कैंपर पूरी तरह दब गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने किसी तरह घायलों को बाहर निकाला। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। घायलों को इलाज के लिए एनसीएम के नेहरू शताब्दी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं मृतक शीतला प्रसाद साकेत पिता रामलगन साकेत निवासी पंजरेह के शव को पीएम के लिए भेजा है।

जयंत चौकी प्रभारी सुरेंद्र यादव ने बताया कि घायल सत्यलाल सिंह, रामनिवास सिंह, नागेंद्र तिवारी और सूबेदार को हादसे में घायल हैं। वहीं एक व्यक्ति की मौत भी हुई है। मामले की जांच की जा रही है।

भाई-बहन खुशबू और शिवम का प्रशासनिक सेवा में चयन

मीडिया ऑडीटर, जवा निप्र। रीवा जिले के जवा तहसील अंतर्गत ग्राम पटियारी के यज्ञराज साहू और रूपा साहू की पुत्री खुशबू साहू का चयन एमपी पीएससी में लेखा अधिकारी के पद पर हुआ है जो अभी पटवारी के पद पर कार्यरत है इसके पहले यज्ञराज साहू के पुत्र शिवम् साहू का चयन इनकम टैक्स ऑफीसर के पद पर हुआ था। एक साल में ही दोनो भाई बहन का प्रशासनिक सेवा में चयन होना जवा क्षेत्र के साथ साथ जिले के लिए गर्व का विषय है जिन्होंने अपने माता पिता के साथ साथ अपने विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया है। बता दें कि ये दोनों भाई-बहन ज्योतिवा राव विद्यालय जवा के विद्यार्थी थे। संचालक शंभू सिंह पटेल एवं सभी शिक्षकों ने बधाई देते हुये उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में 120 लोग हुये लाभावित

मीडिया ऑडीटर डभौरा निप्र। जिले के जवा तहसील अंतर्गत डभौरा डीपी हाई स्कूल में अंधत्व निवारण अभियान के तहत सामाजिक कार्यकर्ता व रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्य जगदीश सिंह यादव के तत्वाधान में सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय जानकीकुंड चित्रकूट के सहयोग से शिविर लगाया गया। जहा पर 120 नेत्र रोगियों का नेत्र परीक्षण किया गया। जिसमें 15 मोतियाबिंद के मरीज पाये गए। जिन्हें नेत्र चिकित्सालय जानकीकुंड चित्रकूट के एम्बुलेंस द्वारा जानकीकुंड भेजा गया। बताया गया है कि यह शिविर प्रति माह लगाया जाता हैं तराई अंचल मे मोतियाबिंद से मुक्ति पाने के लिए एक प्रयास हैं अभी तक मे जवा तहसील अंतर्गत हजारों लोगो को लाभावित किया चुका है। इस दौरान पर्यावरणविद वृजेन्द्र पांडेय, ऊषा सिंह, सहजाद भाई, जन्मावती, सुरीता बौद्ध, विभा भारती, डीके यादव, राजकुमार यादव एवं रामकिशोर आदिवासी की उपस्थति में सभी नेत्र रोगियों को दवाई, ड्राप और चश्मा का नि:शुल्क वितरण किया गया।

भारतीय मजदूर संघ की नई कार्यकारणी घोषित

आनन्द जिला अध्यक्ष एवं दीपनारायण जिलामंत्री हुए मनोनीत

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। भारतीय मजदूर संघ जिला इकाई के जिला मंत्री दीप नारायण द्विवेदी ने प्रेस विज्ञप्ति माध्यम से बताया कि गुरूवार को दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक माधव सदन सीधी में अधिवेशन आयोजित हुई। जिसमें मुख्य अतिथि दिनेश शुक्ला प्रदेश उपाध्यक्ष भोपाल, विशिष्ट अतिथि श्रीमती संध्या मिश्रा राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य नई दिल्ली, रमन चैकीकार विभाग प्रमुख सीधी सिंगरौली की उपस्थित में अधिवेशन की प्रक्रिया शुरू की गई। प्रथम सत्र में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर एवं श्रम

गीत का गायन मंगला प्रसाद द्विवेदी अध्यक्ष राज्य कर्मचारी संघ द्वारा किया गया। इसके पश्चात सभी उपस्थित पदाधिकारियों का परिचय पश्चात जिला अध्यक्ष आनंद तिवारी द्वारा स्वागत भाषण दिया गया।

विशिष्ट अतिथि संध्या मिश्रा द्वारा भारतीय मजदूर संघ के 70 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संगठनात्मक एवं बौद्धिक उद्बोधन दिया। मुख्य अतिथि दिनेश शुक्ला प्रदेश उपाध्यक्ष ने संगठनात्मक एवं बौद्धिक उद्बोधन दिया। विभाग प्रमुख सीधी सिंगरौली रमन चैकीकार ने भी अपना उद्बबोधन मे संगठन को कैसे आगे बढ़ाया जाए इसके विषय में सभी कार्यकर्ताओं से चर्चा की गई और कई संगठनात्मक विषयों में चर्चा की प्रथम सत्र का समापन जिला अध्यक्ष आनंद तिवारी ने किया।

बाक्स

दीपनारायण द्विवेदी जिला मंत्री मनोनीत – इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष भोपाल ने नई कार्यकारणी की घोषणा की जिसमें आनंद तिवारी जिला अध्यक्ष, जिला उपाध्यक्ष अनीता राय, भूपेंद्र सिंह, पवन मिश्रा, जितेंद्र पांडे, जिला मंत्री दीप नारायण द्विवेदी, सह मंत्री आनंद अकेला, प्रवेंद्र कुमार द्विवेदी, पुष्पेंद्र विश्वकर्मा, जिला कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र कुमार मिश्रा, राकेश बैरागी संगठन मंत्री, विकास नारायण तिवारी कार्यालय मंत्री, प्रदीप साहू कार्यकारिणी सदस्य, अमित तिवारी गोपद बनास अध्यक्ष, आनंद पटेल सिहावल ब्लॉक के अध्यक्ष, दिलीप शुक्ला रामपुर ब्लाक के अध्यक्ष, शिवकरण साकेत देवांशिक प्रताप सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विचार

नेता विपक्ष का ओहदा तय करेगा राहुल गांधी का सियासी भविष्य?

16वीं और 17वीं लोकसभा में नबंरों के लिहाज से कांग्रेस बीते 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में इतना पिछड़ गई थी कि उन्हें नेता प्रतिपक्ष का पद भी नसीब नहीं हुआ। नेता विपक्ष पद की बात तो दूर, पार्टी का भविष्य और अस्तित्व भी खतरे में पड़ गया था। कम नंबर संख्या के कारण ही संसद में नेता विपक्ष की सीट भी रिक्त रही। पर, कहते हैं कि सियासत में चमत्कार की संभावनाएं अन्य क्षेत्रों के मुकाबले ज्यादा रहती हैं। किसके सितारे बुलंद हो जाए और किसके अचानक बुझ जाएं? इसका दामोदर सब कुछ जनता-जर्नादन के मूड और विचारों पर निर्भर रहता है? बीते 2024 के आम चुनाव में हुआ भी कमोबेश कुछ ऐसा ही? भाजपा 400 पार के नारे के साथ फिर से प्रचंड बहुमत में आने को पूरी तरह आश्वस्त थी, लेकिन जनता ने अस्वीकार कर दिया। मौका जरूर दिया, लेकिन आधा-अधूरा? हालांकि, कांग्रेस ने इस बार उम्मीद से कहीं बढ़कर बेहतीन प्रदर्शन कर खुद को लड़ाई में बरकरार रखा। कांग्रेस हो या भाजपा प्रचंड जीत से बौराने की प्रवृति से सभी दलों को तौबा करना होगा। 2024 का जनादेश सभी के लिए सीख जैसा है। कांग्रेस को जनता ने नया जीवनदान दिया है। इसलिए कांग्रेस के सितारे एक बार फिर थोड़े से चमके हैं। पिछली बार मात्र 44 सांसद ही जीतकर संसद पहुंचे थे। पर, ये आंकड़ा इस दफे 99 तक पहुंचा है। तभी कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष के लिए दावेदार हुई है। अच्छे नंबरों से पास होने का ही नतीजा है कि नेता विपक्ष के लिए राहुल गांधी के नाम पर ताजपोशी होनी विपक्षी धड़े की ओर से मुकर्रर हुई है। पर, जनता का संदेश पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए बराबर है? जो जनता के हित में काम करेगा, उसकी जयकार होगी। वरना, घमंड़ चकनाचूर करने में देश के मतदाता जरा भी नहीं हिचकेंगे? 2024 के जनादेश ने देश की सियासी तस्वीर पूरी तरह से बदल दी है। चाहे प्रधानमंत्री हों या नेता विपक्ष सभी से काम की उम्मीद करती है। नेता भी अब समझ गए हैं कि लच्छेदार बातों और हवा-हवाई दावों से अब काम नहीं चलने वाला? बहरहाल, गठबंधन राजनीति में नेता विपक्ष के पद को पूरे पांच वर्ष तक सुचारू रूप से यथावत रखना भी किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होगा? पद पर आसीन होने वाले औहदेदार के लिए भी चुनौतियों की भरमार रहेंगी। उन्हें हर घड़ी अग्निपरीक्षा से गुजरना होगा। नेता विपक्ष का पद राहुल गांधी की सियासी समझ की भी कठिन परीक्षा लेगा? क्योंकि सत्तापक्ष और देश की एक बड़ी आबादी अभी तक उन्हें सियासत का 10वीं पास छात्र ही समझती रही है। दरअसल समझने के कई ताजा उदाहण भी सामने मुंह खोले जो खड़े हैं। राहुल गांधी कई बार अपने सियासी प्रयोगों में विगत वर्षों में असफल हुए हैं इसलिए भी लोगों को थोड़ा बहुत संदेह अब भी है? उनके सियासी इतिहास के पन्ने खोले तो सामने एक विफलता भरी तस्वीर उभरती है कि वह कांग्रेस अध्यक्ष का पद भी अच्छे से निर्वाह नहीं कर सके, जिसके चलते उन्हें पद छोड़ना पड़ा था। अमेठी से चुनाव भी हारे और अपनी अगुआई में पार्टी को चुनाव लड़ाकर भी ज्यादा कुछ नहीं कर सके। कुल मिलाकर उनके हिस्से में सियासी असफलता की भरमार है।

राहुल गांधी का कद भी बढ़ा एवं राजनीतिक कौशल भी

ललित गर्ग

राहुल गांधी लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता बन गये हैं, यह उनका पहला संवैधानिक पद है, इससे पहले वे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं। इस बड़े पद के साथ उनकी जिम्मेदारियां भी बढ़ जायेंगी। दस वर्षों बाद लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता का पद मिला है। वैसे इस बार के चुनाव एवं चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद राहुल गांधी का न केवल आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि उनमें राजनीतिक कौशल एवं परिपक्वता भी देखने को मिल रही है, इससे यह प्रतीत होता है कि वे प्रतिपक्ष नेता के पद के साथ न्याय करते हुए अपनी राजनीति को चमकायेंगे एवं रसातल में जा चुकी कांग्रेस को सुदृढ़ करेंगे। वैसे देखा गया है कि प्रतिपक्ष के नेता बनने वाले अधिकांश लोग प्रधानमंत्री तक पहुंचे हैं।

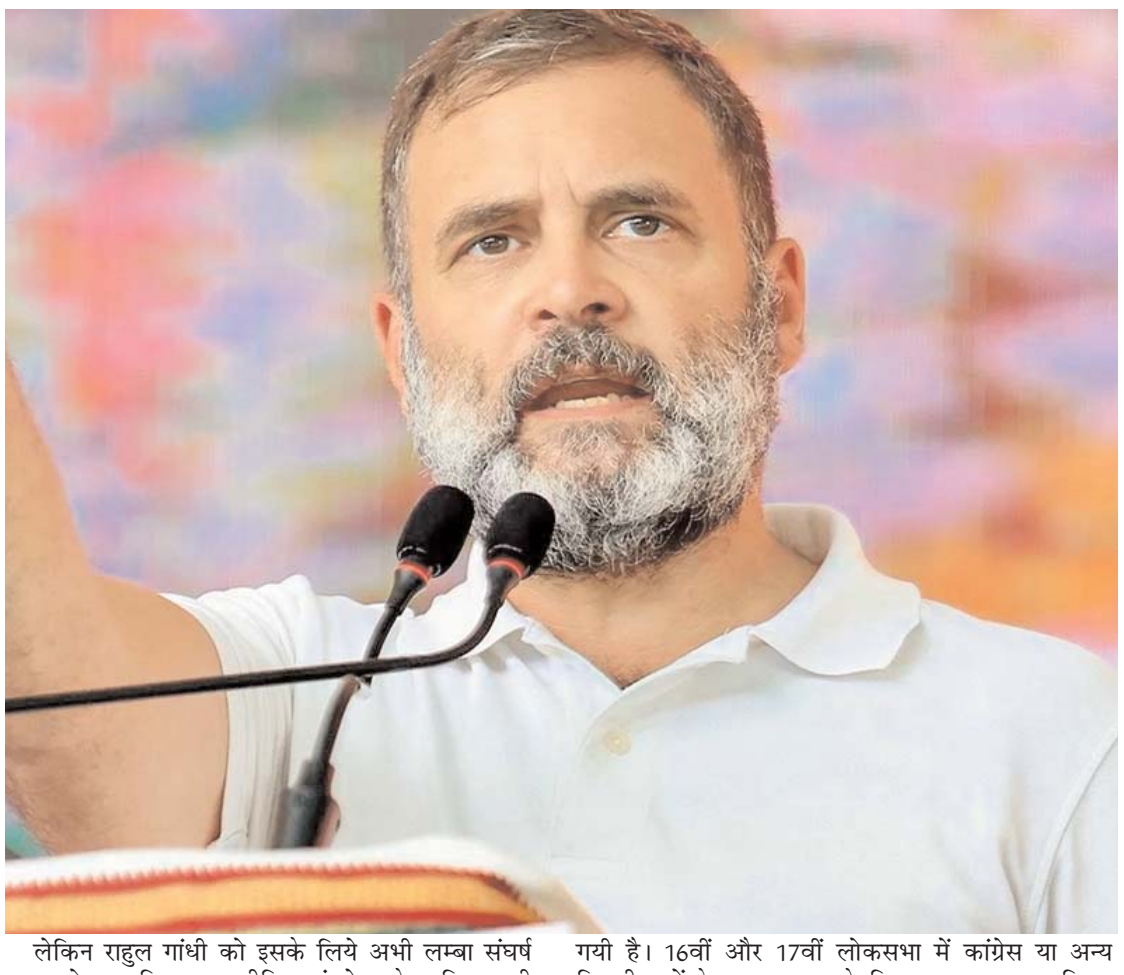

लेकिन राहुल गांधी को इसके लिये अभी लम्बा संघर्ष करना होगा, परिपक्व राजनीति एवं देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को साबित करना होगा। निश्चित ही राहुल गांधी का कद बढ़ा है और अब वे स्वल्प समय में ही कद्दावर नेता की तरह राजनीति करने लगे हैं। राहुल को देशभर में निकाली यात्राओं एवं चुनाव प्रचार में निभाई सशक्त भूमिका ने मजबूती दी है। राहुल की राजनीति को चमकाने में कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 'भारत जोड़ो यात्रा' के अलावा मणिपुर से मुंबई तक की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अब प्रतिनेता के रूप में उनकी एक नई यात्रा शुरु हो रही है जो उन्हें नई राजनीतिक ऊंचाई दे सकती है। देश को 10 साल बाद राहुल गांधी के रूप में विपक्ष का नेता मिला है, जो संसदीय राजनीति के लिए एक अच्छी खबर है। इससे लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी एवं जनता की आवाज को जोरदार तरीके से उठाने एवं सरकार की नीतियों-योजनाओं पर तीखी नजर रखने एवं प्रभावी सवाल उठाने की स्थितियों को बल मिलेगा। लेकिन विपक्ष की नुमाइंदगी का मतलब यह नहीं कि वह हर मामले में सत्ता पक्ष के खिलाफ हो, बल्कि यह है कि वह हमेशा जनता के साथ हो और उसकी ओर से मुद्दे उठाए। नेता प्रतिपक्ष पद से सरकार के साथ ही विपक्ष पर भी जवाबदेही का दबाव बढ़ता है। राहुल की सुविधाएं बढ़ने के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ गयी है। 16वीं और 17वीं लोकसभा में कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों के पास इस पद के लिए आवश्यक 10 प्रतिशत सदस्य नहीं थे। कांग्रेस ने इस बार लोकसभा चुनाव में 99 सीट जीतकर इस पद को हासिल किया है। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी केंद्रीय सतर्कता आयोग, केंद्रीय सूचना आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार से जुड़े चयन के अलावा लोकपाल, मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) निदेशक जैसी प्रमुख नियुक्तियों पर महत्वपूर्ण पैनल के सदस्य भी होंगे। प्रधानमंत्री इन पैनल के प्रमुख होते हैं। नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी को लोकसभा में पहली पंक्ति में सीट मिलेगी। यह सीट डिप्टी स्पीकर की सीट के बगल वाली होगी। इसके अलावा संसद भवन में सचिवीय तथा अन्य सुविधाओं से युक्त एक कमरा भी मिलेगा। विपक्ष के नेता को औपचारिक अवसरों पर कुछ विशेषाधिकार भी प्राप्त होते हैं। एक केन्द्रीय मंत्री को मिलने वाली सभी सुविधाएं राहुल गांधी को मिलेगी। राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले वह लोकसभा में केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह पांचवीं बार लोकसभा पहुंचे हैं। इस बार के लोकसभा चुनाव ने कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवन दिया है। इस बार के चुनाव परिणाम ने कांग्रेस एवं उसके नेता राहुल को मनोवैज्ञानिक लाभ पहुंचाया है, जो उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि बनी है। इससे कांग्रेस ने अपना आत्मविश्वास फिर से पा लिया है, जो कोई छोटी बात नहीं। और यह राहुल और प्रियंका गांधी की गतिविधियों में साफ झलकता है। साथ ही, अब इस बात को लेकर भी कांग्रेस में कोई दुविधा नहीं रह गई है कि गांधी परिवार ही सर्वोच्च है और पार्टी पर उसका पूरा नियंत्रण होगा। इसका यह भी मतलब है कि टीम-राहुल का सभी मामलों में फैसला अंतिम होगा। पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद से राहुल के पास कांग्रेस की कोई जिम्मेदारी नहीं थी। सदन के भीतर पहली बार वह कोई पद संभालने जा रहे हैं। ऐसे में राहुल के सामने चुनौती होगी कि वह किस तरह पूरे विपक्ष को साथ लेकर चलते हुए रचनात्मक विरोध की भूमिका को आकार देते हैं। कांग्रेस का सबसे बड़ा काम दलित और पिछड़े मतदाताओं ने यूपी में जो उनकी मदद की है, उनका विश्वास बनाए रखने का है। यह बड़ी सचाई है कि आज भी देश के महत्व के राज्यों में भाजपा को क्षेत्रीय दल शिकस्त दे रहे हैं। अगर क्षेत्रीय दलों के साथ कांग्रेस का गठजोड़ बना रहे, तो ही भाजपा पर दबाव आएगा। बड़ा सच यह भी है कि न भाजपा बदली है ना उसकी विचारधारा। भाजपा एवं नरेन्द्र मोदी को भले ही चुनावों में पूर्ण बहुमत न मिला हो, लेकिन वह ही आज ताकतवर है। यह भी समझना होगा कि भाजपा विपक्ष की ताकत से नहीं, बल्कि सरकार की बड़ी गलतियों एवं पार्टी के अति उत्साह से नुकसान में पहुंची है। यह भी एक तथ्य है कि मुस्लिमों के सक्रिय-समर्थन के बिना कांग्रेस को कामयाबी नहीं मिल सकती थी। निश्चित ही मुसलमानों के वोट की अहमियत कुछ-कुछ सीटों पर हार-जीत का फैसला कर गई है। भाजपा अपनी आगे की रणनीति इसी आधार पर बनाएगी और वो पिछले चुनावों के जैसी ही होगी। मतलब कि भाजपा कोई नई भाषा नहीं बोलने वाली है। वह आरोप लगाती रहेगी कि कांग्रेस अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण करती है। कांग्रेस के सामने चुनौती होगी कि वो इस आरोप को अपने पर आने न दे, ताकि भाजपा हिंदुओं के हितों की एकमात्र रक्षक है, ऐसा दावा ना कर सके। कांग्रेस को इस हिंदू-मुस्लिम राजनीतिक बवंडर से बचने के लिये अपनी रणनीति को बनाना होगा। बिना हिन्दू वोट के कांग्रेस सफल राजनीतिक पारी नहीं खेल सकती है। इसके साथ ही कांग्रेस को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सफलता और निष्फलता का सही आकलन कर लेना जरूरी है। जनता के समक्ष अपना आत्मविश्वास बढ़ाए रखना अच्छी बात है, लेकिन मोदी आज जिस जमीन पर खड़े हैं, जनता के बीच उनकी जो स्वीकार्यता है उसका सही आकलन करना कांग्रेस की आगे की रणनीति के लिए बेहद जरूरी होगा।राहुल गांधी सदन में विपक्ष की मजबूत आवाज बनकर उभरेंगे, इसमें सन्देह नहीं है। पक्ष एवं विपक्ष के बीच एक संतुलन बनना लोकतंत्र की खूबसूरती है एवं अपेक्षा भी है। नेता प्रतिपक्ष के रूप में विपक्ष के नेता की प्रमुख भूमिकाओं में से एक सरकार की नीतियों पर 'प्रभावी' सवाल उठाना है। विपक्ष के नेता की भूमिका वास्तव में बहुत चुनौतीपूर्ण होती है क्योंकि उसे सरकार की विधायिका और जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करनी होती है। नेता प्रतिपक्ष के रूप में उन्हें सरकारी प्रस्तावों-नीतियों के विकल्प प्रस्तुत करने होते हैं। निश्चित तौर पर आने वाले दिनों में राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष अलग एवं ऊंचे स्तर पर अपने तेवर दिखा सकता है। सरकार के लिए कोई भी बिल पास कराना अब इतना आसान नहीं होगा। मोदी की स्थिर सरकार देने की जद्दोजहद के बीच मोदी और राहुल के बीच की टकराव की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता है, लेकिन बावजूद इसके सदन में सकारात्मक वातावरण बना रहना भी जरूरी है। स्थिर सरकार देश की बड़ी जरूरत है, राजनेताओं से उम्मीद की जाती है कि एक बार जनादेश आने के बाद वे चुनावी दौर की कड़वाहट एवं आरोप-प्रत्यारोप की छिछालेदार राजनीति को भुलाते हुए जनता के हित में मिलकर काम करें। इस बार भी चुनाव में अपनी-अपनी पार्टियों के प्रचार की अगुआई करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी ने एक-दूसरे पर खूब हमले बोले हैं। अब उन बातों को पीछे छोड़ते हुए उन्हें बेहतर तालमेल वाले कामकाजी रिश्ते कायम करते हुए देशहित को सामने रखना होगा। राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठना होगा।

ओम बिरला के अध्यक्ष बनने से शुरुआत सही दिशा में

ललित गर्ग

ओम बिरला को दूसरी बार ध्वनिमत से 18वीं लोकसभा का नया स्पीकर चुना गया। जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नेता विपक्ष राहुल गांधी उन्हें आसन तक लेकर पहुंचे। ध्वनिमत पर विपक्ष ने डिविजन की मांग नहीं की। ओम बिरला के नाम पर विपक्ष का विरोध न करना मोदी सरकार के लिए भी किसी आश्चर्य से कम नहीं रहा। उम्मीद यही की जा रही थी कि विपक्ष वोटिंग की मांग करेगा और फिर पूरी प्रक्रिया के तहत मतदान होगा। ओम बिरला को नये लोकसभा के अध्यक्ष चुने जाने की सम्पूर्ण प्रक्रिया जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की खूबसूरती की छटा बिखेर रही थी, वहीं ऐसी संभावनाओं को बल दिया कि अठाहरवीं लोकसभा के सभी सत्र एक नया इतिहास का सृजन करते हुए उम्मीदभरे होंगे। कोटा से तीसरी बार के सांसद ओम बिरला ने दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनकर इतिहास रच दिया है। वे लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनने वाले तीसरे शख्स हैं। उनसे पहले बलराम जाखड़ 9 सालों तक स्पीकर रहे थे। ओम बिरला का चुना जाना चौंकाता नहीं है, बल्कि जो बात थोड़ी हैरान करने वाली थी वह है इस पद के लिए चुनाव की नौबत लाया जाना। वैसे तो लोकतंत्र में चुनाव किसी भी पद के लिए हो, उसे बुरा मानने का कोई कारण नहीं है। मगर लोकसभा अध्यक्ष का पद ऐसा है जिसमें आम राय को हमेशा तवज्जो दी जाती रही है। वजह यह है कि सदन के सुचारू संचालन के लिए अध्यक्ष को दोनों पक्षों का सहयोग चाहिए होता है। ऐसे में अगर इस पद पर बैठे व्यक्ति का चयन दोनों पक्ष उसमें अपना विश्वास घोषित करते हुए करें तो पद की शोभा कई गुना बढ़ जाती है। स्वतंत्र भारत में लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए केवल तीन बार 1952, 1967 और 1976 में चुनाव हुए। वर्ष 1952 में कांग्रेस सदस्य जी. वी. मावलंकर को लोकसभा स्पीकर के रूप में चुना गया था। लोकसभा

अध्यक्ष पद पर चयन को लेकर सरकार और विपक्षी दलों के बीच सहमति नहीं बन पाई, जिस वजह से चुनाव की नौबत आ गई। केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार के गठन के बाद सरकार और विपक्ष के बीच यह पहला शक्ति प्रदर्शन था। इसलिए भाजपा के रणनीतिकार अपने उम्मीदवार ओम बिरला को ज्यादा से ज्यादा सांसदों के समर्थन के साथ बड़ी जीत दिलवाने के मिशन में जुट गई थी। इंडिया गठबंधन की पूर्व रात्री को हुई बैठक में ही नेताओं का कहना था कि इंडिया गठबंधन के पास संख्या बल नहीं है। इसलिये बिना मतदान के ही ध्वनिमत से बिरला के अध्यक्ष चुने जाने की कार्रवाई को निर्बाध होने दिया एवं संसदीय पटल पर खुशी का माहौल दिखाई दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह सदन का सौभाग्य है कि आप दूसरी बार इस आसन पर विराजमान हो रहे हैं। अमृतकाल के इस महत्वपूर्ण कालखंड में दूसरी बार इस पद पर विराजमान होना बहुत बड़ा दायित्व आपको मिला है, हम सबका विश्वास है कि आप आने वाले 5 साल हम सबका मार्गदर्शन करेंगे। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी बधाई देते हुए संविधान रक्षा की बात दोहरायी। सदन में तीसरे सबसे बड़े दल के नेता अखिलेश यादव ने कहा कि जिस पद पर आप बैठे हैं, इससे बहुत गौरवाशाली परंपरा जुड़ी है। इसलिए सबकुछ बिना भेदभाव आगे बढ़ेगा। निष्पक्षता इस महान पद की महान जिम्मेदारी है। आप लोकतंत्र के मुख्य न्यायाधीश की तरह बैठे हैं।' हर राष्ट्र का सर्वोच्च मंच उस राष्ट्र की पार्लियामेंट होती है, जो पूरे राष्ट्र के लोगों द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों द्वारा संचालित होती है, राष्ट्र-संचालन की रीति-नीति और नियम तय करती है, उनकी आवाज बनती है व उनके ही हित में कार्य करती है। राष्ट्र के व्यापक हितों की सुरक्षा करती है। भारत का लोकतंत्र न केवल सशक्त है बल्कि अनूठा एवं प्रेरक है, उसका सर्वोच्च मंच लोकसभा है। सत्रहवीं लोकसभा के सत्रों की कार्यवाही बिरला ने नियोजित एवं सुचारू ढंग से संचालित कर एक स्वस्थ परम्परा का सूत्रपात किया था, उनके अनुभव एवं क्षमताएं सदन को नई दृष्टि देने के लिए तत्पर रहे हैं। उनके सदन संचालन की दक्षता एवं कौशल की ताजी हवा के झोंकों का अहसास देश का सर्वोच्च लोकतांत्रिक सदन लोकसभा महसूस करता रहा है। वे लोकसभा को कुशलता से संचालित करने में न केवल खरे उतरे हैं बल्कि नये प्रतिमान स्थापित करते हुए सदन की गरिमा एवं गौरव की अभिवृद्धि की हैं। अठारहवीं लोकसभा के अध्यक्ष बनकर निश्चित ही वे सदन की कार्यवाही को अनुशासित भी कर सकेंगे, अनुप्रेरित भी कर सकेंगे और पक्ष-विपक्ष के बीच संतुलन रखते हुए देशहित में महत्वपूर्ण निर्णय लेने का मार्ग प्रशस्त कर सकेंगे, ऐसा विश्वास है। निश्चित ही निष्पक्ष होकर अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए सदन की गरिमा को नए स्तर तक ले जाने में वे सक्षम साबित होंगे। लोकसभा कुछ खम्भों पर टिकी एक सुन्दर ईमारत ही नहीं है, यह एक अरब चालीस करोड़ जनता के दिलों की धड़कन है। उसके एक-एक मिनट का सदुपयोग हो। वहां शोर, नारे और अव्यवहार न हो, अवरोध पैदा नहीं हो। ऐसा होना निर्धनजन और देश के लिए हर दृष्टि से महंगा सिद्ध होता है। यदि हमारे प्रतिनिधि ईमानदारी से नहीं सोचेंगे और आचरण नहीं करेंगे तो इस राष्ट्र की आम जनता सही और गलत, नैतिक और अनैतिक के बीच अन्तर करना ही छोड़ देगी। निश्चित ही संतुलन, निष्पक्षता, शालीनता एवं कौशल के बल पर बिरला नये लोकसभा के सदन की कार्रवाई को एक नई ऊंचाई प्रदान करेंगे और नयी उम्मीदों को पंख लगायेंगे। इसमें पक्ष एवं विपक्ष का सहयोग अपेक्षित है तभी लोकसभा की शालीनता एवं सभ्यता नई ऊंचाइयों पर आरोहण करेंगी। देश का भविष्य संसद के चेहरे पर लिखा होता है, यदि वहां मर्यादाहीनता एवं अशालीनता का प्रदर्शन होता है तो समस्याएं सुलझने की बजाय उलझती जाती है। छोटी-छोटी बातों पर अभद्र शब्दों का व्यवहार, हो-हल्ला, छींटाकशी, हंगामा और बहिर्गमन आदि ऐसी घटनाएं है, जिनसे संसद जैसी प्रतिनिधि संस्था का गौरव घटता है। यह बात चुने हुए प्रतिनिधियों को समझाने एवं उन्हें प्रशिक्षित करने में बिरलाजी ने पूर्व में जिस तरह की सिद्धहस्तता का परिचय दिया है, वह काबिलेतारीक है। संसद करोड़ों लोगों का प्रतिनिधित्व कर उनकी आवाज बनती हैं। हमारे राष्ट्र की लोकसभा का यही पवित्र दायित्व होता है कि वह उसकी पवित्रता एवं स्वस्थता कायम रखे तथा सभी प्रतिनिधि भगवान् और आत्मा की साक्षी से इस दायित्व को निष्ठा व ईमानदारी से निभाने की शपथ लेते हैं। लोकसभा अध्यक्ष पद पर केवल लम्बे संसदीय अनुभव रखने वाले सांसद का चुनाव जरूरी नहीं होता। देखना यह होता है कि इस पद पर बैठा व्यक्ति सभी पक्षों को साथ लेकर चलने की क्षमता रखता है अथवा नहीं और वह सभी पक्षों के साथ यथोचित न्याय करने का हौंसला रखता है या नहीं। सदन में जब मूल्य एवं नैतिक मानक कमजोर हो जाते हैं और सिर्फ निजी हैसियत को ऊँचा करना ही महत्त्वपूर्ण हो जाता है तो वह सदन निश्चित रूप से कमजोर हो जाता है। आजादी के अमृत काल में भी हम अपने आचरण और काबिलीयत को एक स्तर तक ऊंचा उठाये। नेता और नायक किसी कारखाने में पैदा करने की चीज नहीं हैं, उनकी काबिलीयत और चरित्र को गढ़ने का काम भी लोकसभा ही करती है।

महिला के प्राइवेट पार्ट में डंडा डाला, पत्थर से कुचलकर हत्या, फिर किया रेप

3 महीने पहले जेल से छूटा है आरोपी

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। सरगुजा जिले के उडुमकेला गांव में 25 वर्षीय महिला का अर्धनग्न शव मिला है। कपड़े अस्त-व्यस्त मिले हैं। पत्थर से सिर कुचलकर पहले हत्या की गई है फिर रेप किया। इसके बाद प्राइवेट पार्ट में डंडा भी डाल दिया। घटना सीतापुर थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

वारदात की जानकारी मिलते ही सीतापुर थाना प्रभारी भरतलाल साहू फॉरेंसिक एक्सपर्ट कुलदीप कुजूर और बाकी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। आरोपी ने महिला के चेहरे और सिर पर पत्थर से कई वार किए हैं, जिससे सिर और चेहरा बुरी तरह कुचल गया है।

महिला ने आरोपी के साथ बैठकर पी थी शराब: पुलिस की जांच में पता चला कि महिला का पति बुधवार को साथी ग्रामीणों के साथ काम करने तेलाईधार गया था। शाम को भारी बारिश होने के कारण वह घर नहीं लौटा। वहीं, महिला देर शाम पड़ोसी के घर गई थी, जहां कुछ लोग शराब पी रहे थे। वह भी शराब पीने के लिए बैठ गई। शराब पीने के बाद वह रात को वहीं सो गई थी। इसके बाद वह घर नहीं लौटी।

पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल किया: पुलिस ने मामले में संदेहियों की खोजबीन शुरू की। शक के दायरे में आए उन सभी से पूछताछ की गई जो पड़ोस में महिला के साथ शराब पी रहे थे। पूछताछ के बाद पुलिस ने संदेही रघु मांझी (40 वर्ष) निवासी आमापारा को हिरासत में लिया। रघु मांझी के घर से खून से सने कपड़े भी बरामद किए गए हैं। तीन अन्य संदेहियों को पुलिस ने पूछताछ के बाद छोड़ दिया है।

आरोपी पर पिता की हत्या का आरोप: आरोपी पर अपने पिता की हत्या का भी आरोप है। तीन महीने पहले ही वह जमानत पर जेल से छूटा है। पुलिस ने शाम को शव को पंचनामे के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। अब पुलिस को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

बाड़ी में हत्या की, शव को उठाकर फेंका: पूछताछ में आरोपी रघु ने पुलिस को बताया कि उसने भी महिला के साथ शराब पी और बाहर आ गया। बातचीत में पता चल गया था कि उसका पति घर नहीं लौटा है। वह रात को उसके बाहर आने का इंतजार कर रहा था। देर रात तक वह नहीं लौटी तो महिला के पास पहुंचा। उसे उठाकर कहा कि चलो मैं तुम्हें घर पहुंचा देता हूं। महिला ने उसके साथ जाने से मना कर दिया, लेकिन वह बाथरूम के लिए पीछे बाड़ी की ओर गई, वहां रघु भी पहुंच गया। उसने महिला के साथ रेप की कोशिश की। महिला ने विरोध किया तो उसने हमला कर दिया। चेहरे और सिर पर वार से महिला जमीन पर गिर गई।

रेप करने के बाद शव को ठिकाने लगाया: पुलिस को आशंका है कि रघु मांझी ने जब रेप किया तो उससे पहले ही महिला की मौत हो चुकी थी। उसने महिला के शव को घटनास्थल से करीब 50 मीटर दूर खेत में एक गड्ढे में फेंक दिया था।

सरगुजा एसपी भी सीतापुर थाने पहुंचे: सरगुजा एसपी योगेश पटेल भी रात 8.30 बजे सीतापुर थाने पहुंचे, जहां संदेही से उन्होंने पूछताछ की। रघु मांझी 3 साल पहले पिता की हत्या के आरोप में जेल में बंद था। करीब 3 महीने पहले ही वह जेल से जमानत पर रिहा हुआ था। तब से अपनी ससुराल आमापारा में रह रहा था।

छत्तीसगढ़ 2047 तक बनेगा विकसित राज्य

अमृत काल विजनएड./2047 की रूपरेखा तैयार

मीडिया ऑडीटर, मनेंद्रगढ़ निप्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का आह्वान किया था । इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केंद्र राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को टीम इंडिया के रूप में एकजुट होकर काम करने लिए लिए कहा है । इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ के वित्त एवं योजना मंत्री ने 2024.25 के बजट सत्र के दौरान घोषणा की है कि 2047 तक छत्तीसगढ़ को भी विकसित राज्य बनाया जाएगा इसके लिए एक विजन डॉक्यूमेंट अमृत काल छत्तीसगढ़ विजन एड./2047 तैयार किया जाएगा जो 01 नवंबर 2024 को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश की जनता को समर्पित किया जाएगा। इस विजन डॉक्यूमेंट को तैयार करने की जिम्मेदारी राज्य नीति आयोग को सौंपी गई है। विकसित भारत की परिकल्पना में राष्ट्र का आर्थिक और सामाजिक समावेशी विकास का स्तर पर्यावरणीय तरीकों से विश्व के अन्य विकसित देशों के समकक्ष लाने का लक्ष्य है। वित्त एवं योजना मंत्री ने सभी विधानसभा सदस्यों से आग्रह किया है कि वे अमृत काल छत्तीसगढ़ विजन एड./2047 विजन डॉक्यूमेंट के संबंध में अपना सुझाव राज्य नीति आयोग को प्रेषित करें या पोर्टल मोर सपना मोर विकसित छत्तीसगढ़ के माध्यम से अपना सुझाव दें। सभी नागरिकों से भी तीन समयावधि लघु काल 5 वर्ष मध्यकाल 10 वर्ष और दीर्घकाल 15 वर्ष के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सुझाव आमंत्रित किए गए हैं।

इसके लिए 08 वर्किंग ग्रुप बनाए गए हैं जिनमें उद्योग और सेवाओं में सुधार कृषि एवं वानिकी में सुधार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य व पोषण बुनियादी ढांचे का विस्तार समाज कल्याण सुशासन स्थिरता और पुनर्योजी विकास एवं अन्य के संबंध में सुझाव आमंत्रित किए गए हैं।प्रदेश के सभी नागरिक 30 जुलाई 2024 तक विजन डॉक्यूमेंट से संबंधित अपने सुझाव लिंक के माध्यम से या फ्त् कोड को स्कैन कर मोर सपना मोर विकसित छत्तीसगढ़ पोर्टल के माध्यम से राज्य नीति आयोग को दे सकते हैं। छत्तीसगढ़ सरकार के इस पहल का उद्देश्य है कि 2047 में जब भारत अपनी आजादी के 100 वर्ष पूरे करेगा तब छत्तीसगढ़ एक विकसित राज्य के रूप में विश्व के अन्य विकसित देशों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगा ।

स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश स्कूल में रिक्त सीटों के आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, मनेन्द्रगढ़ निप्र। स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश स्कूल मनेन्द्रगढ़ ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए विभिन्न कक्षाओं में रिक्त सीटों हेतु ऑफ्लाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक छात्रध्छात्राएं 27 जून 2024 से 2 जुलाई 2024 तक दोपहर 1 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन फार्म स्कूल कार्यालय से नि:शुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं और निर्धारित समय में जमा किए जा सकते हैं। प्रवेश के लिए आवेदन के साथ विगत वर्ष की अंकसूची की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है। स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश स्कूल में बालक बालिकाओं हेतु कक्षावार रिक्त सीटों की संख्या इस प्रकार है। कक्षा 2री के लिए 1 सीट कक्षा 3री के लिए 1 सीट कक्षा 4थी के लिए 1 सीट कक्षा 5 वीं के लिए 2 सीट कक्षा 8वीं के लिए 2 सीट कक्षा 11वीं गणित के लिए 6 सीटें और कक्षा 11वीं जीव विज्ञान के लिए 6 सीट रिक्त है फार्म जमा करने की अंतिम तिथि तक रिक्त सीटों के विरुद्ध अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में पात्र छात्रध्छात्राओं के मध्य लॉटरी के माध्यम से चयन किया जायेगा । लॉटरी का आयोजन दिनांक 06 जुलाई 2024 को 11:30 बजे से विद्यालय में स्थित ऑडिटोरियम में किया जाएगा।

हथियार की नोंक पर डीजल की लूट

बदमाशों ने ड्राइवरों को हथियार दिखाकर धमकाया और ट्रक की टंकी से निकाल लिए 500 लीटर डीजल

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में बदमाशों ने ड्राइवरों को हथियार दिखाकर ट्रक से 500 लीटर डीजल निकाल लिए। कार सवार बदमाश युवक जेरीकेन और ड्रम लेकर आए थे, जिन्होंने हाईवे में अलग-अलग वाहनों के ड्राइवर को धमकी दी और उनकी गाड़ियों से डीजल निकालकर भाग गए। मामला मस्तूरी थाना क्षेत्र का है। ड्राइवर ने बताया कि वह ओडिशा से ट्रक लेकर आ रहा था। रास्ते में टोल प्लाजा के पास ब्रेक डाउन होने के कारण उसने पाराघाट टोल प्लाजा के पास ट्रक को किनारे लगा दिया, जिसके बाद वो केबिन में सो रहा था। तभी वहां देर रात उसकी नींद खुली, तब कुछ लोग एक गाड़ी से आकर ट्रक के पास उतरे और ट्रक की टैंक से डीजल निकालने लगे।

बदमाशों ने कहा- नीचे आया तो जान से मार देंगे: इस दौरान युवकों को टैंक से डीजल निकालते देखकर ड्राइवर ने विरोध किया और केबिन से नीचे उतरने लगा। इतने में बदलाशों ने चाकू, गुप्ती और धारदार हथियार निकाल लिए और उसे धमकाते हुए बोला कि वह नीचे आएगा तो उसे जान से मार देंगे। जिसके डर के कारण वह केबिन से ही सबकुछ देखता रह गया।

तीन वाहनों से निकाले 500 लीटर डीजल: इसके बाद बदमाश अपनी गाड़ी लेकर जांजगीर-चांपा की तरफ भाग गए। उनके जाने के बाद ड्राइवर ने आसपास के ट्रक ड्राइवर को इस घटना की जानकारी दी। तब पता चला कि बदमाशों ने इसी अंदाज में दो और मालवाहक गाड़ियों से डीजल लूटा है। बताया गया कि बदमाशों ने करीब 500 लीटर डीजल लूट कर ले गए हैं।

5-6 लोग थे हथियारों से लैस बदमाश: बताया जा रहा है कि धारदार हथियारों से लैस बदमाश चार पहिया वाहन में ड्रम लेकर आए थे। इस दौरान उन्होंने ड्राइवर और हाईवे किनारे खड़ी गाड़ियों को निशाना बनाया और डीजल निकालने के बाद वहां से भाग निकले।

मौके पर पहुंची पुलिस के डायल 112 की टीम: वाहन चालकों ने इस घटना की जानकारी अपने वाहन मालिकों को दी। जिसके बाद डायल 112 को इसकी सूचना दी गई। खबर मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंच गई। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने ड्राइवर को मस्तूरी थाने में शिकायत कराने की बात कही। लेकिन, ड्राइवर ने दूर जाने की बात कहकर शिकायत नहीं किया।

हाईवे में सक्रिय है गैंग, पुलिस नहीं करती कार्रवाई: बिलासपुर से रायगढ़ जाने वाली नेशनल हाईवे क्रमांक- 49 के साथ ही बिलासपुर-रायपुर और बिलासपुर-कोरबा नेशनल हाईवे में डीजल लूटने वाला गिरोह सक्रिय है। गैंग में शामिल बदमाश हथियारों से लैस रहते हैं, जो ड्राइवर को डरा-धमकाकर डीजल लूटते हैं। इससे पहले भी इस तरह की घटनाएं कई बार हो चुकी है। लेकिन, पुलिस उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करती।

अशोका बिरियानी में पालक सब्जी में निकला मांस

रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित अशोका बिरियानी रेस्टोरेंट में पालक सब्जी में मांस का टुकड़ा निकला है। वेज फूड में मांस निकलने की 10 दिन के भीतर ये दूसरी घटना है। शुक्रवार दोपहर अशोका बिरियानी के मोहबाजार स्थित ब्रांच में दो युवकों ने लंच में वेज फूड ऑर्डर किया था। खाने के दौरान अचानक पालक की सब्जी में उन्हें मांस का टुकड़ा दिखा। जिसके बाद उन्होंने प्रबंधन को शिकायत की। तो युवकों की प्लेट हटा दी गई।

इस मामले में जब अशोका बिरियानी के ब्रांच मैनेजर से बातचीत की तो उन्होंने इन आरोपों को नकार दिया है। साथ ही दावा किया कि मांस का टुकड़ा उनके किचन से नही आया है। हालांकि दुर्ग में हुई इसी तरह की घटना को लेकर प्रबंधन ने लिखित में माफी मांगी थी।

20 इंस्पेक्टरों का तबादला

आरंग-मौदहापारा में बवाल के बाद हटाए गए टीआई, लूप-लाइन के 4 इंस्पेक्टरों को मिला थाना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर एसपी संतोष कुमार सिंह ने 20 इंस्पेक्टरों का ट्रांसफर किया है, जिसमें कई थाना प्रभारियों के थाने में बदलाव किए गए हैं। वहीं आरंग, मौदहापारा, खम्हारडीह के थाना प्रभारियों को हटा दिया गया है। साथ ही लूप-लाइन के 4 इंस्पेक्टरों को अलग-अलग थाने की जिम्मेदारी दी गई है।

बताया जा रहा है कि आरंग में 3 युवकों की हत्या के मामले ने बड़ा तूल पकड़ा, जिससे पुलिस की कार्यशैली में लगातार सवाल उठे। हालांकि तत्कालीन आरंग थाना प्रभारी सत्येंद्र सिंह श्याम ने इस मामले में 4 आरोपियों की गिरफ्तारी में अहम भूमिका निभाई। बावजूद प्रशासनिक कारणों के हवाले से उन्हें जीविशा में जिम्मेदारी सौंपी गई।

मौदहापारा भी रहा लगातार डिस्टर्ब: बीते 1 महीने से मौदहापारा थाने में भी लगातार बवाल होता रहा। मेकाहारा में एक गर्भवती महिला पर गार्ड ने थप्पड़ जड़ दिया। आरोप लगे कि पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की। इसके अलावा स्थानीय गुंडों ने इलाके में दुकानदारों से दिनदहाड़े मारपीट की, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया, लेकिन कोई एक्शन नहीं हुआ।

गोलीकांड के आरोपी के मकान पर चला बुलडोजर

क्वार्टरों पर अवैध कब्जा कर वसूल रहा था किराया, बहन के घर से पिस्टल जब्त

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग-भिलाई। छत्तीसगढ़ के भिलाई में भिलाई स्टील प्लांट के इंफोर्समेंट डिपार्टमेंट ने अवैध कब्जों पर कार्रवाई की। इस कार्रवाई में 2 दिन पहले टाउनशिप के ग्लोब चौक पर गोली चलाने वाले आरोपी अमित जोश के घर पर भी बुलडोजर चलाया गया है। अमित जोश 18 से ज्यादा क्वार्टरों पर अवैध कब्जा कर किराया वसूल रहा था। प्रत्येक किराएदार से 18 से 20 हजार रुपए सालाना लिया जा रहा था। इन 3 मंजिला बिल्डिंगों में तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई के माध्यम से बीएसपी और पुलिस विभाग ने आरोपियों के आतंक और अवैध वसूली को खत्म करने की कोशिश की है।

आरोपी के बहन के घर से लोडेड पिस्टल जब्त: पुलिस ने बदमाश अमित जोश की बहन के मकान से लोडेड पिस्टल भी जब्त किया है। आरोपी के बहन के निवास पर अवैध कब्जा हटाने के दौरान तलाशी में लोडेड पिस्टल मिली। जानकारी के मुताबिक 23 मकानों पर प्रशासन का बुलडोजर मिला है।

कार्रवाई के दौरान तैनात रहा भारी पुलिस बल: भिलाई के टाउनशिप क्षेत्र के सेक्टर 6 स्ट्रीट 31 के जर्जर भवनों में रहने वाले अवैध कब्जेदारों पर कार्रवाई की गई। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रही। खुद एडिशनल एसपी और सीएसपी समेत 3 थाना प्रभारियों की मौजूदगी में यह कार्रवाई की गई। भारी पुलिस बल के साथ बीएसपी के इंफोर्समेंट विभाग के अधिकारियों ने अवैध कब्जों को हटाया।

आरोपी के खिलाफ दुर्ग में 49 मामले दर्ज: दरअसल, भिलाई के निगरानीशुदा गुंडा बदमाश अमित जोश के खिलाफ दुर्ग में 49 मामले दर्ज है। जिनमें से मारपीट, चोरी और अवैध वसूली जैसे 25 मामले भिलाई के कोतवाली थाने में दर्ज है। अमित जोश ने दो दिन पहले ही टाउनशिप के ग्लोब चौक में रात डेढ़ बजे फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया था। घटना में विश्रामपुर निवासी सुनील यादव के कलाई और आदित्य सिंह के पेट में गोली लगने से घायल हुए थे।

8वीं मंजिल से महिला ने लगाई छलांग

घर से दौड़कर निर्माणाधीन बिल्डिंग पर चढ़ी, सिर फटने से मौके पर मौत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर में एक महिला ने आठवीं मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी। बताया जा रहा है कि महिला दौड़ते हुए तेजी से निर्माणाधीन बिल्डिंग के ऊपर चढ़ी, फिर वह वहां से कूद गई। सिर फटने से उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला मानसिक रूप से बीमार थी। पूरा मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र के बोरियाखुर्द का है। टिकरापारा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक महिला का नाम शबनम परवीन है। उसकी उम्र 41 साल थी। महिला का घर घटनास्थल के पास है। आरडीए कॉलोनी ब्लॉक-एच बोरिया खुर्द में बिल्डिंग निर्माणधीन है। आसपास लोग भी मौजूद थे, तभी दोपहर 12 बजे के करीब शबनम घर से तेजी से दौड़ते हुए बिल्डिंग की तरफ आई।

लोगों के सामने महिला ने लगाई छलांग: बताया जा रहा है कि इस दौरान बिल्डिंग के आसपास के कुछ लोग सड़क पर मौजूद थे। उन्होंने महिला को दौड़कर बिल्डिंग के ऊपर चढ़ते देखा। फिर कुछ ही मिनटों में महिला बिल्डिंग के आठवें माले पर पहुंच गई। वहां से छलांग लगा दी। जमीन पर नीचे गिरते ही उसका सिर बुरी तरह फट गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

परिवार के साथ रहती थी महिला: आसपास मौजूद लोगों का कहना है कि महिला अपने परिवार के साथ रहती थी। थानेदार के मुताबिक, वह मानसिक रूप से अस्वस्थ थी। हालांकि पुलिस महिला के परिवार वालों से पूछताछ कर रही है। इसके बाद ही आत्महत्या की असल वजह सामने आ पाएगी।

आसपास समेत परिवार वालों से हो रही पूछताछ: इस मामले को लेकर टिकरापारा थाना प्रभारी दुर्गेश रावटे ने बताया कि शुरुआती जांच पड़ताल में घटना आत्महत्या की है। आसपास समेत परिवार वालों से पूछताछ की जा रही है, जिसके बाद आत्महत्या की वजह सामने आ पाएगी। फिलहाल महिला की लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है।

राहत की बारिश, गिर सकती है आकाशीय बिजली

धूप ने बढ़ाई गर्मी और उमस, शाम को गरज-चमक के साथ बरसे बदरा

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में चार दिन बाद गुरुवार की रात राहत की बरसात हुई। दिन में तेज धूप के चलते गर्मी और उमस ने लोगों को बेहाल कर दिया, जिसके बाद शाम को बादलों में काली घटाएं छा गई और गरज-चमक के साथ ठंडी हवाएं चलने लगी। वहीं, रात में करीब आधे घंटे तक झमाझम बारिश हुई। मौसम विभाग ने शुक्रवार को भी बारिश होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार मानसून का दबाव बना हुआ है। यही वजह है कि पिछले चार दिन से बारिश का अलर्ट जारी किया गया था, लेकिन बुधवार और गुरुवार को तेज धूप की वजह से गर्मी और उमस बढ़ गई। इस दौरान अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री रहा, जो सामान्य से 2.7 डिग्री अधिक रहा। शहर में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के अंदर रहने के बाद भी लोग गर्मी और उमस से परेशान रहे। मौसम विभाग ने शुक्रवार को भी बारिश होने की संभावना जताई है।

रात में हुई राहत की बरसात: गुरुवार की शाम आसमान में काली घटाएं छाई रही और ठंडी हवाएं चलने लगी। गरज-चमक के साथ बारिश होने की उम्मीद रही, लेकिन सिस्टम का दबाव का असर नहीं हुआ और हल्की व खंड वर्षा की स्थिति बनी रही। इसके बाद देर रात झमाझम बारिश हुई। आसमान में बादल छाए हुए हैं। ऐसे में शुक्रवार को भी बारिश होने की संभावना है।

तापमान में आएगी गिरावट: मौसम विभाग के अनुसार एक पूर्व पश्चिम द्रोणिका उत्तर-पश्चिम राजस्थान से मणिपुर तक 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे लगे उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर 1.5 किलोमीटर से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है।

प्रदेश में 27 जून को अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने या गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। इसके साथ ही तापमान में गिरावट भी दर्ज की जाएगी।

अगले पांच दिन हो सकती है अच्छी बारिश: मौसम वेधशाला के मौसम विज्ञानी डा.एचपी चंद्रा के अनुसार बिलासपुर सहित प्रदेश में एक दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ अंधड़ चलने, आकाशीय बिजली गिरने और भारी बारिश की भी संभावना है। अगले पांच दिनों तक अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की उम्मीद बनी हुई है। एक जुलाई से वर्षा की मात्रा बढ़ने की संभावना है।

महिला बोली- साथ रखूंगा कहकर हमेशा संबंध बनाते थे

रेप केस किया तो आरोपी की पत्नी ने थाने पहुंचकर किया बवाल, वहीं खाया जहर

बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर के सिविल लाइन थाने में शुक्रवार को हाईवोल्टेज ड्रामा हुआ। पुलिस ने रेप केस में एक आरोपी को उठाया तो बचाव में उसकी पत्नी भी थाने पहुंची और वहीं जहर खा लिया। इस दौरान पुलिसकर्मी उसे देखते रहे, लेकिन बचाने की कोशिश तक नहीं की। जब उसके मुंह से झाग निकलने लगा, तब हरकत में आए और उसे अस्पताल पहुंचाया गया।

साइबर अपराध के खिलाफ कार्रवाई के दौरान श्रीलंका में 60 भारतीय नागरिक गिरफ्तार

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के आपराधिक जांच विभाग ने ऑनलाइन वित्तीय घोटाले में शामिल एक समूह के कम से कम 60 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि इन लोगों को बृहस्पतिवार को कोलंबो के उपनगरीय इलाकों मडीवेला और बट्टारामुल्ला तथा पश्चिमी तटीय शहर नेगोम्बो से गिरफ्तार किया गया। पुलिस प्रवक्ता एसएसपी (वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक) निहाल थलदुवा ने बताया कि अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने इन इलाकों में एक साथ छापेमारी की और इस दौरान 135 मोबाइल फोन और 57 लैपटॉप जब्त किए। एक समाचार पत्र ने बताया कि यह कार्रवाई एक पीड़ित की शिकायत के आधार पर की गई जिसने आरोप लगाया था कि सोशल मीडिया पर संवाद करने के लिए उसे नकद राशि दिए जाने का वादा करके एक व्हाट्सऐप समूह में जोड़ा गया था। उसने बताया कि जांच में ऐसी साजिश का पता चला जिसके जरिए पीड़ितों को शुरुआती भुगतान के बाद धनराशि जमा करने के लिए मजबूर किया जाता था। समाचार पत्र के अनुसार, पेराडेनिया में एक व्यक्ति और उसके बेटे ने धोखेबाजों की मदद करने की बात स्वीकार की।

नीतीश कुमार के अपने ही कर सकते है साजिश, पप्पू यादव का दावा- उनके कुछ लोग भाजपा के साथ ज्यादा

दिल्ली/पटना (एजेंसी)। पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के साथ समस्या ये है कि वे अपनी विचारधारा के साथ समझौता नहीं कर पाते। पप्पू यादव ने कहा कि हमें लग रहा है कि नीतीश कुमार के अपनों के द्वारा उनके साथ कोई साजिश न हो जाए। पप्पू यादव ने दावा करते हुए कहा कि नीतीश कुमार के कुछ लोग भाजपा के साथ ज्यादा हैं। पप्पू यादव ने अंदेशा जताया है कि नीतीश कुमार के साथ बीजेपी किसी तरह की साजिश कर सकती है। उन्होंने कहा कि भाजपा का काम सिर्फ तोड़ने का है। निर्दलीय सांसद ने आगे कहा कि जैसा नवीन पटनायक के साथ हुआ है, वैसा ही अब नीतीश कुमार के साथ होने जा रहा है। अफसरशाही नीतीश कुमार को ले डूबेंगे। वह अच्छे लीडर हैं। पप्पू यादव ने कहा कि एनडीए की सरकार जल्दी ही अस्थिर हो जाएगी।

चंपई सोरेन सरकार का कैबिनेट विस्तार टला, सामने आई ये वजह

रांची (एजेंसी)। झारखंड की चंपई सोरेन सरकार का कैबिनेट विस्तार आज यानी 28 जून को होने वाला था, लेकिन अब कैबिनेट विस्तार टल गया है। कैबिनेट विस्तार टलने की वजह कांग्रेस नेतृत्व के व्यस्त होने की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि दिल्ली में लोकसभा चुनाव को लेकर समीक्षा बैठक और संसद सत्र को लेकर कांग्रेस नेताओं की व्यस्तता बढ़ी हुई है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर और प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर दिल्ली में ही डटे हैं। प्रदेश के नेताओं की पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ आखिरी दौर की बात होनी है। इसमें मंत्री के नाम पर मुहर लगेगी। शपथ ग्रहण की संभावित तिथि पर भी चर्चा होगी। वहीं, सीएम चंपई सोरेन ने मंत्रिमंडल विस्तार के सवाल पर कहा कि गठबंधन की बात है। बहुत जल्द उसका भी संदेश देंगे कि कब विस्तार होगा। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक कांग्रेस और जेएमएम से एक-एक मंत्री बनाया जाएगा। टेंडर घोटाले में जेल में बंद आलमगीर की जगह इरफान अंसारी का मंत्री बनना तय माना जा रहा है। वहीं स्ट कोटे से लातेहार सीट से एमएलए बैधनाथ राम का नाम आ सामने का सकता है। सूत्रों के मुताबिक दोनों नेताओं को शपथ की सूचना मिल चुकी हैं।

यूएस में पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट, ट्रम्प ने बाइडेन को हराया

4 साल पुरानी हार का बदला लिया, बहस के दौरान खांसते-अटकते दिखे राष्ट्रपति

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका में शुक्रवार 28 जून को राष्ट्रपति जो बाइडेन और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट हुई। 81 साल के हो चुके बाइडेन के लिए खुद को डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति पद का सही उम्मीदवार साबित करने के लिए यह सबसे बेहतरीन मौका था।

हालांकि, 75 मिनट की डिबेट के बाद अमेरिका के सबसे बड़े मीडिया हाउस में शुमार न्यूयॉर्क टाइम्स, वॉशिंगटन पोस्ट और डिबेट होस्ट करने वाले ष्टह्वह्व ने इसमें ट्रम्प को विजेता घोषित किया। विश्लेषकों ने कहा कि बहस के दौरान बाइडेन बार-बार अपनी बात रखने में अटक रहे थे, वे लगातार खांस रहे थे और ट्रम्प के आरोपों का जवाब नहीं दे पा रहे थे।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, बाइडेन की इस परफॉर्मेंस के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता राष्ट्रपति पद के लिए उनकी दावेदारी पर सवाल खड़े कर रहे हैं। वे आशंका जता रहे हैं कि बाइडेन चुनाव से पहले अगले 4 महीने तक होने वाले कैंपेन को भी पूरा नहीं कर पाएंगे।

डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता बोले- बाइडेन हमें चुनाव में जीत नहीं दिला सकते: डेमोक्रेटिक पार्टी के एक स्ट्रैटजिस्ट ने सोशल मीडिया पर लिखा, पार्टी में बाइडेन को पद से हटाने के लिए आवाजें तेज होने वाली हैं। वे अब तक पार्टी के चहेते थे, लेकिन अब यह बदलने वाला है। वहीं एक अन्य कार्यकर्ता ने कहा, पार्टी का लक्ष्य चुनाव जीतना है। लेकिन आज जो व्यक्ति ट्रम्प के साथ स्टेज पर मौजूद था, वह हमें यह जीत नहीं दिला सकता।

बाइडेन की पूर्व कम्युनिकेशन डायरेक्टर केट बेडिंगफील्ड ने बहस के बाद कहा, इसमें कोई दो राय नहीं है कि यह डिबेट बाइडेन के लिए अच्छी नहीं रही। उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती यह साबित करना था कि बूढ़े होने के बावजूद उनके पास अमेरिका का नेतृत्व करने की ताकत है, लेकिन बाइडेन ऐसा करने में नाकाम रहे। डेमोक्रेटिक पार्टी के कुछ नेता एक साथ इस डिबेट को देख रहे थे। इनमें से एक ने कहा कि यह बहस बाइडेन के लिए बेहद बुरी रही। अब वे पार्टी नेताओं के साथ नए राष्ट्रपति उम्मीदवार को लेकर चर्चा कर रहे हैं।

बाइडेन और डेमोक्रेटिक पार्टी को भारी डोनेशन देने वालों में शामिल मार्क बुएल ने कहा कि बाइडेन को पूरी गंभीरता के साथ यह सोचने की जरूरत है कि क्या वे इस पद के लिए सबसे बेहतरीन विकल्प हैं? क्या पार्टी के पास अब भी किसी और को उम्मीदवार बनाने का समय बचा है?

डिबेट के बाद बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी में घबराहट का माहौल: जॉन एफ कैनेडी के परिवार की सदस्य और कैलिफोर्निया की पूर्व फर्स्ट लेडी मारिया श्राइवर ने डिबेट के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, मैं जानती हूं कि बाइडेन एक बेहतरीन शख्स हैं। उनका दिल बड़ा है। वे खुद को देश के लिए समर्पित कर चुके हैं, लेकिन आज की डिबेट ने दिल तोड़ दिया। यह एक अहम राजनीतिक पल था। डेमोक्रेटिक पार्टी में घबराहट का माहौल है। मिसूरी की पूर्व सांसद और डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता क्लेयर मैक्कैस्किल ने ट्रम्प की आलोचना करते हुए कहा कि वे झूठे, मतलबी, बेवकूफ और खराब व्यक्ति हैं, लेकिन आज बाइडेन के पास सिर्फ एक काम था। उन्हें साबित करना था कि इस उम्र में भी वे अमेरिका का नेतृत्व कर सकते हैं।

बराक ओबामा की कैबिनेट में मंत्री रह चुके जूलियन कास्त्रो ने कहा कि इस डिबेट का वही नतीजा निकला, जिसकी उम्मीद की गई थी। बाइडेन से बहस को लेकर बेहद कम अपेक्षा की गई थी और वे उसे भी पूरा नहीं कर पाए। इसके अलावा 2020 में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रहे डेमोक्रेटिक पार्टी के एंड्र्यू यंग ने कहा कि अब समय आ गया है, जब पार्टी बाइडेन को हटाकर किसी और को नॉमिनेट करे।

आप ने हादसे में जान गंवाने वाले व्यक्ति के परिजनों को एक करोड़ देने की उठाई मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) ने हवाई अड्डे की छत का एक हिस्सा गिरने की घटना में जान गंवाने वाले व्यक्ति के परिजनों को एक करोड़ रुपए मुआवजा देने की मांग की है।'आप के नेता जैस्मीन शाह ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को आगे उन्होंने कहा, आज एक बेहद दर्दनाक घटना घटी। दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 की छत का एक हिस्सा ढह गया। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा या देश के अन्य हवाई अड्डे केंद्र सरकार के भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण के तहत आते हैं। इस घटना में लगभग 8 लोग घायल हुए हैं और एक की मौत हुई है। उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की। जैस्मीन शाह ने कहा, हम घटना में जान गंवाने वाले व्यक्ति के परिजन को एक करोड़ रुपए जबकि घायलों को 50-50 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग करते हैं। शुक्रवार को हुई इस घटना के चलते कई लोग हवाई अड्डे पर फंस गए। मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

हेमंत सोरेन 5 महीने बाद जेल से बाहर आए

रांची (एजेंसी)। झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन शुक्रवार 28 जून को रांची की बिरसा मुंडा जेल से बाहर आ गए। जेल के बाहर समर्थकों ने उनका स्वागत किया। उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी उन्हें लेने के लिए जेल पहुंची थीं। जेल से निकलने के बाद हेमंत सोरेन ने कहा कि मुझे झूठे आरोपों में 5 महीने जेल के अंदर रखा गया। झारखंड के लोगों के लिए 5 महीने बहुत कठिन थे। सुनियोजित तरीके से लोगों की आवाज दबाई जा रही है। दिल्ली में मुख्यमंत्री जेल में बंद है। मंत्रियों को जेल में डाल दिया जा रहा है। न्याय की प्रक्रिया इतनी लंबी हो रही है कि न्याय मिलने में कई महीने लग रहे हैं। मेरे मामले में कोर्ट का आदेश आज सभी को मिलेगा। उसे देखना चाहिए। कोर्ट के आदेश का आपको आंकलन करना चाहिए। देखना चाहिए कि उसमें क्या कहा गया है। आज मेरी जेल यात्रा खत्म हुई। हेमंत को शुक्रवार सुबह ही जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हाईकोर्ट से जमानत मिली। कोर्ट ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग केस में शामिल होने के ठोस सबूत नहीं मिले। हेमंत सोरेन को जमानत देते हुए हाईकोर्ट ने कहा है कि वे प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट एक्ट के तहत जमानत की दोनों शर्तों को पूरा करते हैं। कोर्ट के फैसले के बाद सोरेन के सरकारी आवास में मिठाई बांटी गईं। हेमंत को इस मामले में 31 जनवरी की रात ईडी ने गिरफ्तार किया था। जमानत याचिका पर 13 जून को सुनवाई पूरी हो चुकी थी। जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की अदालत में पिछले तीन दिन सुनवाई हुई। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

महाराष्ट्र में किसानों को पांच हजार का बोनस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से 4 महीने पहले शुक्रवार 28 जून को एनडीए की एकनाथ शिंदे सरकार ने अपना आखिरी बजट पेश किया। डिप्टी सीएम अजित पवार ने बजट में महिलाओं और किसानों के लिए कई योजनाओं का ऐलान किया है। इसमें किसानों का बिजली बिल माफ, खेती के लिए 5 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर बोनस की घोषणा की गई है। गरीब परिवारों को हर साल 3 गैस सिलेंडर मुफ्त और 21 से 60 साल की उम्र की महिलाओं को हर महीने 1500 रुपए कैश देने की योजना शामिल है। राज्य सरकार ने आम लोगों को राहत देते हुए वैट में 3 प्रतिशत कटौती (24 से 21 प्रतिशत) की घोषणा की है। इससे पेट्रोल में 65 पैसे और डीजल की कीमतों पर 2 रुपए की कमी होगी। हालांकि, इसका फायदा सिर्फ मुंबई, नवी मुंबई और ठाणे के लोगों को ही होगा। राज्य में इस साल अक्टूबर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। राज्य में बीजेपी, शिवसेना (शिंदे गुट) और एनडीए की गठबंधन सरकार है। इसका कार्यकाल 8 नवंबर 2024 को खत्म हो रहा है। अक्टूबर 2024 में चुनाव होने की संभावना है। राज्य के सभी किसानों को कपास और सोयाबीन की खेती के लिए प्रति हेक्टेयर 5000 रुपए का बोनस दिया जाएगा। दुग्ध किसानों को 1 जुलाई 2024 के बाद भी पांच रुपए प्रति लीटर बोनस दिया जाएगा। जानवरों के हमले में मारे गए किसानों के परिजन को 20 लाख रुपए की जगह 25 लाख रुपए की मदद की जाएगी। राज्य के 44 लाख किसानों को बिजली का बिजली का बकाया बिल माफ किया जाएगा।

विक्रम मिसरी भारत के नए विदेश सचिव होंगे, विनय क्वात्रा की लेंगे जगह

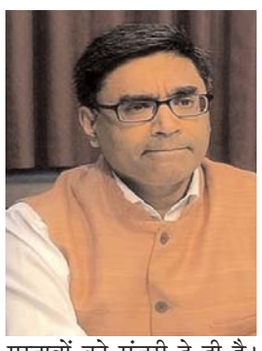

नई दिल्ली (एजेंसी)। उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) विक्रम मिस्री को शुक्रवार को अगला विदेश सचिव नियुक्त किया गया। 1989 बैच के भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी मिसरी को 15 जुलाई से इस पद पर नियुक्त किया गया है। वे विनय मोहन क्वात्रा का स्थान लेंगे, जिन्हें इस साल मार्च में छह महीने का सेवा विस्तार दिया गया था। आधिकारिक आदेश में कहा गया है, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने विदेश मंत्रालय के निम्नलिखित प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। 12 मार्च 2024 के आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए विदेश सचिव के रूप में श्री विनय क्वात्रा, (आईएफएस- 1988) की सेवा को 30 अप्रैल 2024 से आगे 14 जुलाई 2024 तक विस्तार दिया जाएगा। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में श्री विक्रम मिस्री, आईएफएस (1989) के कार्यकाल में कटौती की जाएगी। इसमें कहा गया है, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री विक्रम मिसरी, आईएफएस (1989) की विदेश सचिव के पद पर 15 जुलाई, 2024 से नियुक्ति की गई है। वे विनय क्वात्रा का स्थान लेंगे।

नीतीश कुमार दिल्ली रवाना, जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की करेंगे अध्यक्षता

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार राष्ट्रीय राजधानी में होने वाली पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से एक दिन पहले शुक्रवार को दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। नीतीश कुमार 29 जून को होने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। पार्टी के सूत्रों के अनुसार, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार शुक्रवार शाम को राष्ट्रीय राजधानी में अपने आधिकारिक आवास पर जदयू के लोकसभा और राज्यसभा सदस्यों से भी मुलाकात करेंगे।

दिल्ली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी के सभी सांसद, केंद्रीय मंत्री और जदयू के नेता राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह तथा रामनाथ ठाकुर एवं बिहार और अन्य राज्यों के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि इस बैठक में हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों के विश्लेषण और 2025 में होने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीति समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।

दिल्ली में भारी बारिश के बीच उपराज्यपाल ने की इमरजेंसी मीटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में भारी बारिश के बाद स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को एक आपातकालीन नियंत्रण कक्ष स्थापित करने तथा जलभराव की समस्या के समाधान के लिए पंप लगाने का निर्देश दिया। उपराज्यपाल कार्यालय के अनुसार, आपात बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि छुट्टी पर गए सभी वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत ड्यूटी पर वापस आने के लिए कहा जाना चाहिए और अगले दो महीनों तक कोई छुट्टी मंजूर नहीं की जानी चाहिए। उपराज्यपाल कार्यालय ने कहा कि सक्सेना ने राष्ट्रीय राजधानी में तैयारियों और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली की कमी का भी संज्ञान लिया। बैठक में दिल्ली जल बोर्ड, लोक निर्माण विभाग, दिल्ली नगर निगम, दिल्ली विकास प्राधिकरण, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग और दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

कर्नाटक में वैन और लॉरी की टक्कर, 13 की मौत

हावेरी (एजेंसी)। कर्नाटक के हावेरी जिले में वैन और लॉरी की टक्कर में दो बच्चों सहित 13 लोगों की मौत हो गई। चार घायल हैं। वैन में 17 लोग सवार थे। पुलिस ने बताया, हादसा सुबह 3.45 पर हुआ। जब वैन हावेरी जिले के बयादागी में हाईवे किनारे खड़ी एक लॉरी से टकरा गई। चार घायलों में से दो आईसीयू में एडमिट हैं। हावेरी एसपीअंशू कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक, वैन में सवार सभी लोग चिंचोली मयम्मा देवस्थान से आ रहे थे और शिवमोग्गा लौट रहे थे। तभी वैन ने लॉरी को पीछे से टक्कर मार दी।

शुरुआती जांच में सामने आया कि ड्राइवर को झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने कहा कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि, कुछ शव वैन के टूटे हिस्सों में फंस गए थे। फायर ब्रिगेड की मदद से उन्हें निकाला गया। मृतकों की पहचान नागेश, विशालाक्षी, आदर्श, अर्पिता, परशुराम, भाग्य, पुण्य, मनसा, रूपा, सुभद्रा बाई, मंजुला बाई और मंजुला के रूप में की गई है। एक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

राहुल गांधी को नीट पर बोलने नहीं दिया, माइक बंद कर दिया, संसद में विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने बड़ा आरोप लगाया है। कांग्रेस सांसद का कहना है कि नीट पर चर्चा की मांग के दौरान राहुल गांधी का माइक बंद किया गया। विपक्ष के नेता का माइक बंद करना बेहद शर्मनाक है। राहुल गांधी को एक मिनट भी बोलने नहीं दिया गया। सरकार को छात्रों के भविष्य की चिंता नहीं है। कांग्रेस सासंद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि देश में लगातार हो रहे पेपर लीक से युवाओं का भविष्य खराब हो गया है। नीट परीक्षा पेपर लीक हुआ था और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं। जब विपक्ष के नेता ने इस मुद्दे को सदन में उठाया गया तो उनका माइक स्विच ऑफ कर दिया गया। अगर विपक्ष के नेता का माइक बंद कर दिया जाएगा तो अन्य सांसदों में गुस्सा तो होगा। हम मांग करते हैं कि इश मुद्दे पर चर्चा की जाए। नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस नेता ने कहा, ''कल विपक्षी दलों के सदन के नेताओं की बैठक हुई।

सभापति ने विपक्ष से सौतेला व्यवहार किया, अपमानित करने के लिए मुझे जानबूझकर नजरअंदाज किया-खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि वह उच्च सदन में राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) का विषय उठाना चाहते थे, लेकिन सभापति जगदीप धनखड़ ने उन्हें अपमानित करने के लिए जानबूझकर नजरअंदाज किया। खरगे ने यह दावा भी किया कि विपक्ष के प्रति सभापति का व्यवहार सौतेला था।

उधर, राज्यसभा में विपक्षी सदस्यों द्वारा नीट-यूजी परीक्षा के पेपर लीक मामले में सरकार को घेरते हुए हंगामा किए जाने के बीच सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन में कहा कि नेता प्रतिपक्ष खरगे स्वयं आसन के समक्ष आ गये जो पहले कभी नहीं हुआ।

अमरनाथ के लिए 4603 तीर्थयात्रियों का पहला जत्था रवाना

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले 4603 तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को शुक्रवार (28 जून) सुबह हरी झंडी दिखाई। जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास बेस कैंप से तीर्थयात्रियों को 231 वाहनों में सीआरपीएफ की श्री लेयर सिक्योरिटी के बीच रवाना किया। अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरु हो रही है जो 19 अगस्त (52 दिनों) तक चलेगी। सिन्हा ने तीर्थयात्रियों को सुरक्षा के लिए कामना भी की। उन्होंने कहा कि बाबा अमरनाथ जी का आशीर्वाद सभी के जीवन में शांति, खुशी और समृद्धि लाए। तीर्थयात्रियों का यह पहला जत्था जम्मू से कश्मीर के दो बेस कैंप उत्तरी कश्मीर के बालटाल और दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग के लिए रवाना हुआ है। अधिकारियों ने कहा कि आज से 19 अगस्त तक अलग-अलग रास्तों पर ट्रैफिक पर रोक लगाई जाएगी। साथ ही लोगों को परेशानी नहीं हो इसके लिए हर रोज एडवाइजरी जारी की जाएगी। इस साल अमरनाथ यात्रा के लिए 3.50 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। वहीं, अमरनाथ यात्रा के लिए ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन की 26 जून से शुरुआत हो चुकी है। जम्मू के एसडीएम ने बताया कि सरस्वती धाम सेंटर से ऑफलाइन टोकन दिया जा रहा है। यात्रा की शुरुआत से पहले ही साधु-संत जम्मू पहुंचने लगे हैं।

पाकिस्तान टीम का बड़ा कबूलनामा, पैसे लेकर मीटअप में शामिल होने की बात स्वीकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लीग स्टेज से ही बाहर हो गई थी। इसके लिए टीम की काफी आलोचना हो रही है, लेकिन उस समय पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों की ज्यादा मिट्टी पलीत हुई जब टीम ने डलास में एक मीटअप रखा था। रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि, खिलाड़ियों ने इसके लिए पैसे लिए थे। इसी को लेकर अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड खिलाड़ियों पर हंटर चलाने वाला है। कई स्टार खिलाड़ियों के खिलाफ बोर्ड एक्शन लेगा। इसके अलावा टीम के प्रदर्शन की भी समीक्षा की जा रही है, कई खिलाड़ी टीम से बाहर किए जा सकते हैं। पीसीबी अध्यक्ष इस बात के संकेत दे चुके हैं कि टीम में बड़े बदलाव संभव है। इसके अलावा चयनकर्ताओं के पैनल में भी बदलाव होने की खबर है, लेकिन अब जंग अखबार की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान के कई खिलाड़ियों ने इस बात का स्वीकार किया है कि डलास में एक मीट एंड ग्रीट प्रोग्राम में शामिल होने के लिए उन्होंने फैंस से 2500-2500 यूएस डॉलर स्वीकार किए थे। इस रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि, ए नाइट विद स्टार्स%के नाम से एक कार्यक्रम होना था, लेकिन कप्तान बाबर आजम और अन्य खिलाड़ियों जो पैसे दिए उसमें काफी अंतर था। ऐसे में इसे कैंसिल कर दिया गया। बता दें कि, दिसंबर 2022 से बोर्ड के चार अध्यक्ष बदल चुके हैं, लेकिन मैनेजमेंट के ज्यादातर लोग वही हैं। ऐसे में अगर खिलाड़ी आज अनुशासनहीन और लापरवाह हैं, तो इसका दोष मैनेजमेंट पर आएगा।

क्योंकि वे पाकिस्तानी खिलाड़ियों को संरक्षण दे रहे हैं। पाकिस्तान टीम के खिलाडियों के लिए आचार संहिता भी बनाई जा सकती है।

गुकेश ने सुपरबेट क्लासिक शतरंज में डेक बोगडान-डेनिएलिन को हराया

बुखारेस्ट (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने यहां सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट के पहले दौर में रोमानिया के डेक बोगडान-डैनियल को हराकर सकारात्मक शुरुआत की। इस साल के आखिर में मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को चुनौती देने को तैयार गुकेश को इस मुकाबले के दौरान किस्मत का भी साथ मिला, जब उनकी गलती पर रोमानिया का खिलाड़ी फायदा उठाने में नाकाम रहा। गुकेश ने इसके बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने के बाद पहली बार क्लासिकल शतरंज की किसी प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। इस टूर्नामेंट में चुनौती पेश कर रहे एक अन्य भारतीय आर प्रज्ञाननंदा ने कड़ी मेहनत की लेकिन उन्हें उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव के खिलाफ कड़े मुकाबले में ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। अमेरिका के फैबियानो कारुआना भी शुरुआती दौर में जीत दर्ज करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे। उन्होंने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को हराया। दस खिलाड़ियों के राउंड-रोबिन टूर्नामेंट में अन्य दो मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए। बोगडान-डैनियल ने 'निम्जो इंडियन डिफेंस' चाल के शुरुआत की जिसने मुकाबला बीच में जटिल बना दिया।

इंग्लैंड के खिलाफ भी नहीं चला विराट कोहली का बल्ला

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में विराट कोहली फिर जल्दी आउट हो गए। इसके साथ ही इस वर्ल्ड कप में कोहली के रनों के लिए जूझने का सिलसिला जारी रहा। ये भी पहली बार हुआ कि किसी आईसीसी नॉकआउट मैच में विराट कोहली नाकाम हो गए। टॉस हारने के बाद भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी। जिसके बाद कोहली ने रीस टॉप्ली पर एक बड़ा छक्का लगाया, जिस अंदाज में कोहली ने ये शॉट लगाया उसे देखकर फैंस की उम्मीदें जाग गई। लेकिन कुछ ही गेंद के बाद कोहली को रीस टॉप्ली ने क्लीन बोर्ड कर दिया। अभी तक इस टूर्नामेंट में खेले गए 7 मैचों में विराट कोहली का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। उन्होंने 7 मैचों में महज 75 रन ही बनाए हैं। इस दौरान उनका एवरेज केवल 10.50 का है, जो कोहली के कद से कहीं भी नहीं मिलता है। इस दौरान उनका सर्वोत्तम स्कोर 37 रन रहा है, जबकि दो बार वह शून्य पर पवेलियन लौटे। नॉकआउट में कोहली के रिकॉर्ड को देखते हुए उम्मीद जताई गई थी कि इंग्लैंड के खिलाफ उनका बल्ला बोलेगा। लेकिन आज भी वह मात्र 9 रन ही बना पाए। इससे पहले नॉकआउट मुकाबलों की बात करें तो 2014 टी20 वर्ल्ड कप में कोहली ने 72 नॉटआउट रन बनाए थे। इसी वर्ल्ड कप के फाइनल में कोहली ने फिर 77 रनों की पारी खेली थी। इसी तरह साल 2016 के सेमीफाइनल में उन्होंने नाबाद 89 रन बनाए थे।

भारत और साउथ अफ्रीका फाइनल मैच पर बारिश का साया, अगर मैच नहीं तो कौन होगा विजेता?

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया 29 जून शनिवार को साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल मुकाबला खेलेगी। इस टूर्नामेंट में भारत ने बिना कोई मैच गंवाए टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में अपनी जगह बनाई है। दूसरी तरफ एडेन मार्करम की कप्तानी में साउथ अफ्रीकी टीम पहली बार फाइनल में पहुंची हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल मुकाबला केंसिंग्टन ओवल, ब्रिजटाउन, बारबाडोस, में शनिवार को खेला जाएगा।

शनिवार को बारबाडोस में किस तरह का मौसम होगा साथ ही फाइनल मैच के लिए रिजर्व डे है या नहीं या फिर मैच नहीं हो पाया तो किसे विजेता घोषित किया जाएगा। भारतीय टीम बारबाडोस में दूसरी बार चैंपियन बनने की कोशिश करेगी तो वहीं साउथ अफ्रीका पहली बार टी20 वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम करने की कोशिश करेगी। शनिवार को होने वाले फाइनल मुकाबले में बारिश का अनुमान जताया जा रहा है जिससे मैच का मजा खराब हो सकता है। शनिवार को यानी 29 जून को मौसम कि रिपोर्ट के मुताबिक बादल छाए रहने की उम्मीद है और बारिश के होने की उम्मीद भी जताई जा रही है। हालांकि, लगातार बारिश की बात नहीं कही गई है तो वहीं इस दौरान हवा चलने की भी संभावना रहेगी।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच फाइनल मुकाबला आधिकारिक रूप से शनिवार को खेला जाएगा, लेकिन अगर बारिश की वजह से मैच नहीं खेला गया तो इसके लिए रिजर्व डे रखा गया है। इसका मतलब ये है कि अगर मैच शनिवार को नहीं हो पाता है तो रविवार को मैच खेला जाएगा। फैंस के लिए बुरी खबर ये है कि रिजर्व डे वाले दिन भी बारिश की संभावना जताई जा रही है।

जसप्रीत बुमराह से अंपायर ने नहीं मिलाया हाथ!

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल का एक वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। ये वीडियो मैच के दौरान का नहीं, बल्कि मैच खत्म होने के बाद का है। दरअसल, मैच खत्म होने के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी तो एक दूसरे से हाथ मिलाते हैं, लेकिन इससे पहले मैदान पर मौजूद खिलाड़ी एक दूसरे से हाथ मिलाने के अलावा वहां मौजूद दोनों अंपायरों से भी हैंडशेक करते हैं। भारत ने जब इंग्लैंड पर इस सेमीफाइनल में 68 रनों से जीत दर्ज की तो भारतीय खिलाड़ियों ने जाकर अंपायर से हाथ मिलाए। इस दौरान एक अंपायर भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को नजरअंदाज करता नजर आया। वहीं इस वायरल वीडियो को देखकर सोशल मीडिया लोगों ने अंपायर की क्लास लगानी शुरू कर दी है। लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी है। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि अंपायर ने उन्हें जानबूझकर नजर अंदाज नहीं किया होगा, ये सिर्फ एक भूल है। लेकिन इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर इस समय खूब सुर्खियां बटौरी हुई है। जसप्रीत बुमराह ने भारत की इस जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने सलामी बल्लेबाज फिलिप सॉल्ट के अलावा आखिरी फिकेट जोफ्रा आर्चर के रूप में चटकाया था। बूम-बूम ने अपने 2-4 ओवर के स्पेल में मात्र 12 रन खर्च कर ये विकेट चटकाए। उनके अलावा अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को 3-3 सफलताएं, मिली। भारत के इस शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के चलते टीम इंडिया को 103 रनों पर ढेर करने में कामयाब रही। इससे पहले भारत ने कप्तान रोहित शर्मा के अर्धशतक और सूर्यकुमार यादव की 47 रनों की पारी के दम पर 171 रन बोर्ड पर टांगने में कामयाब रही थी। भारत का अब फाइनल में मुकाबला 29 जून को साउथ अफ्रीका से होना है। ये दोनों ही टीम टूर्नामेंट में अभी तक अपराजित रही हैं।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ स्मृति मंधाना-शेफाली वर्मा ने ठोका शतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच में सेंचुरी जड़ दी है। कुछ ही गेंद के अंदर इन दोनों खिलाड़ियों ने अपना शतक जड़ दिया। एक समय लग रहा था कि मंधाना पहले शतक पूरा करेगी लेकिन शेफाली ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के दम पर पहले शतक पूरा किया। उन्होंने 113 गेंद 15 चौके और दो छक्के की मदद से अपना शतक पूरा किया। बता दें कि, शेफाली का टेस्ट में ये पहला शतक है, जबकि स्मृति मंधाना ने अपनी पारी में 19 चौकों की मदद से 122 गेंद में सेंचुरी पूरी की। पिछले चार इंटरनेशनल मैच में स्मृति मंधाना का ये तीसरा शतक है। इससे पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान उन्होंने दो शतक लगाए थे। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ 167 रनों की ओपनिंग साझेदारी का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है। शुक्रवार को चेन्नई में साउथ अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के दौरान स्मृति और शेफाली ने महिला टेस्ट में सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी का रिकॉर्ड बनाया। इस जोड़ी ने पाकिस्तान की किरण बलूच और साजिदा शाह का 2004 में बना 241 रनों का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

सेमीफाइनल में हार के बाद जोस बटलर का बयान, कहा- मोईन अली से गेंदबाजी नहीं करवाना रणनीतिक चूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने कहा कि टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में भारत ने उन्हें चारों खाने चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी और स्वीकार किया कि यहां की टर्न लेती पिच पर मोईन अली से गेंदबाजी नहीं करवाना रणनीतिक चूक थी। भारतीय स्पिनरों अक्षर पटेल और कुलदीप यादव ने तीन-तीन विकेट लिए जिससे भारत ने 172 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहे गत चैंपियन इंग्लैंड को 16.4 ओवर में 103 रन पर आउट करके 68 रन से जीत दर्ज की। बटलर ने कहा,''यह बेहद निराशाजनक है। भारत ने मैच में हमें चारों खाने चित किया। वह जीत के पूरे हकदार थे। उन्होंने बड़ा स्कोर बनाया। मुझे उम्मीद थी कि हम उन्हें 145-150 रन पर रोक देंगे। इससे अधिक का लक्ष्य हासिल करना मुश्किल था। '' इंग्लैंड के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया लेकिन उन्होंने स्पिनरों की अनुकूल पिच पर आदिल रशीद और लियाम लिविंगस्टोन पर भरोसा जताया और मोईन अली से गेंदबाजी नहीं करवाई। बटलर से पूछा गया कि क्या उनकी रणनीति नाकाम रही या उस पर अमल नहीं किया गया,उन्होंने कहा,''थोड़ा बहुत दोनों ही। मेरा मानना है कि उन्होंने अच्छा खेल दिखाया। पावर प्ले में भाग्य ने भी हमारा साथ नहीं दिया। तब कुछ करीबी फैसले हमारे पक्ष में नहीं गए।'' उन्होंने कहा,''मुझे मोईन अली से गेंदबाजी करवानी चाहिए थी। इस तरह से इधर-उधर हमने कुछ गलतियां की।'' विकेट से बहुत अधिक टर्न मिल रहा था और गेंद नीचे भी रह रही थी। रोहित ने परिस्थितियों को अच्छी तरह से भांपते हुए करीबी क्षेत्ररक्षण लगाया था।बटलर ने कहा,''मुझे लगता है कि हर कोई जानता था कि यह विकेट कैसा होगा। इसमें उछाल कम थी और हां भारत ने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया और उन्होंने हमारी तुलना में परिस्थितियों से बेहतर सामंजस्य बिठाया।'' भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले फाइनल के बारे में बटलर ने कहा,''चोटी की दो टीम फाइनल में पहुंची है और यह करीबी मुकाबला होगा। दोनों टीम वास्तव में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और यह मुकाबला रोमांचक होगा।

टीम इंडिया ने इंग्लैंड को 68 रनों से रौंदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का दूसरा सेमीफाइनल भारत और इंग्लैंड के बीच खेला गया। गुयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को 68 रनों से हराकर फाइनल में एंट्री कर ली है। इसके अलावा भारतीय टीम ने साल 2022 एडिलेड का बदला भी इंग्लैंड से ले लिया है। इस दौरान भारत ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 171 रन बनाए, जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 16.4 ओवर में 103 रनों पर ही ऑलआउट हो गई। इस दौरान रोहित शर्मा ने 57 रन की बेहतरीन पारी खेली जबकि भारतीय गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। वहीं अक्षर पटेल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इंग्लैंड के खिलाफ टॉस गंवाकर भारत ने पहले बल्लेबाजी की। भारती पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। विराट कोहली महज 9 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें टॉप्ली ने तीसरे ओवर में बोल्ड कर दिया। विकेटकीपर ऋषभ पंत (4) भी सस्ते में आउट हो बैठे। इसके बाद रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव (36 गेंदों में 47 रन) ने पारी को आगे बढ़ाया। वहीं आठ ओवर में बारिश शुरू हो गई जिसके एक घंटे से ज्यादा समय तक मैच को रोका गया। रोहित और सूर्या ने लौटकर बखूबी पारी को बढ़ाया। दोनों तीसरे विकेट के लिए 73 रन की अहम साझेदारी की। रोहित और सूर्या की साझेदारी के बीच 13वें ओवर में रोहित शर्मा रशिद की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए। इसके बाद सूर्या भी फिफ्टी नहीं बना सके और महज 47 रनों पर ही पेवलियन लौट गए। इसके बाद हार्दिक पंड्या (13 गेंदों में 23 रन), शिवम दुबे (0) और 20वें ओवर में अक्षर पेटल (10) अपने जाल में फंसाया। रविंद्र जडेजा 17 और अर्शदीप सिंह 1 रन बनाकर नाबाद लौटे।

रोहित शर्मा ने तोड़ा महेला जयवर्धने का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने इंग्लैंड टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल में खेली अपनी पारी (57 रन) के दौरान टी20 क्रिकेट में बतौर कप्तान 6 हजार रन पूरे किए तो वहीं उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 5000 रन भी बतौर कप्तान पूरे कर लिए। यही नहीं अपनी पारी में उन्होंने 6 चौके लगाए और इसके दम पर वो टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल में रोहित शर्मा ने अपनी पारी में 6 चौके लगाए और वो इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। रोहित शर्मा के अब टी20 वर्ल्ड कप में 113 चौके हो गए हैं जबकि महेला जयवर्धने ने इस टूर्नामेंट में 31 मैचों में कुल 111 चौके लगाए थे। टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर विराट कोहली हैं जिन्होंने कुल 105 चौके लगाए हैं तो डेविड वॉर्नर 103 चौके के साथ चौथे स्थान पर मौजूद हैं। तिलकरत्ने दिलशान 101 चौके साथ पांचवें स्थान पर हैं। इसके साथ ही रोहित शर्मा ने विराट कोहली का भी रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है। रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पारी के दम पर 248 रन बनाए। वो एक टी20 सीरीज या टूर्नामेंट में भारत की तरफ से बतौर कप्तान सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

राहुल द्रविड़ ने विराट कोहली को लेकर भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में विराट कोहली के बल्ले से संघर्ष ने टीम के लिए कुछ मुश्किलें पैदा की हैं, लेकिन भारतीय मुख्य कोच राहुल द्रविड़ अपने स्टार खिलाड़ी पर दृढ़ विश्वास रखते हैं। लगातार कम स्कोर के बावजूद, द्रविड़ विराट कोहली के हालिया प्रदर्शन में एक उम्मीद की किरण देखते हैं और सबसे बड़े मंच पर संभावित मैच जिताऊ पारी की भविष्यवाणी करते हैं। भारत ने इंग्लैंड पर 68 रन की शानदार जीत के साथ टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इंग्लैंड के खिलाफ मैच में रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव ने मजबूत बल्लेबाजी की नींव रखी, जबकि अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की स्पिन जोड़ी ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशान किया। हालांकि, इस सामूहिक सफलता के बीच, विराट कोहली के मात्र 9 रन पर आउट होने से उनके फॉर्म को लेकर चर्चाएं और तेज हो गई हैं। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ मैच के बाद राहुल द्रविड़ ने कहा कि, विराट के साथ, जोखिम भरा क्रिकेट खेलना कभी कभी उल्टा पड़ सकता है। उन्होंने आज एक अच्छा छक्का लगाया, जिसमें मैच की लय बनी, लेकिन दुर्भाग्य से गेंद थोड़ी ज्यादा सीम कर रही थी। हालांकि, मुझे उनका इरादा और पारी को आगे बढ़ाने का तरीका पसंद आया। ये टीम के लिए एक बेहतरीन उदाहरण है कि वह जोखिम उठाने के लिए तैयार हैं। इसके साथ ही द्रविड़ का मानना है कि कोहली एक अहम स्कोर बनाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि, मैं इस अपशकुन नहीं बनाना चाहता, लेकिन मुझए लगता है कि एक बड़ा स्कोकर आने वाला है। मुझे मैदान पर उनका रवैया और प्रतिबद्धता पसंद है। वह इसके हकदार हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने की विकास कार्यों की समीक्षा

कमिश्नर और कलेक्टर विकास योजनाओं के क्रियान्वयन तथा जन कल्याणकारी योजनाओं की नियमित समीक्षा करें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय में आयोजित बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री जेएन कंसोटिया ने रीवा संभाग के विकास कार्यों की समीक्षा की। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि संभागीय समीक्षा बैठकें नियमित आयोजित की जाएंगी। इनमें दिए गए निर्देशों का अधिकारी समय सीमा में पालन सुनिश्चित करें। कमिश्नर और कलेक्टर विकास योजनाओं के क्रियान्वयन तथा जन कल्याणकारी योजनाओं की नियमित समीक्षा करें। कमिश्नर केन्द्रीय विभागों के कार्यों की भी नियमित समीक्षा करें। वर्षाकाल में वृक्षारोपण के लिए कार्ययोजना तैयार करें। कलेक्टर नियमित रूप से क्षेत्र का भ्रमण कर कल्याणकारी योजनाओं तथा विकास कार्यों की मॉनीटरिंग करें। उचित मूल्य दुकानों, स्कूल, आँगनवाड़ी केन्द्र, अस्पताल तथा अधीनस्थ कार्यालयों का नियमित निरीक्षण करें। सार्वजनिक वितरण प्रणाली से खाद्यान्न वितरण की हर सप्ताह समीक्षा कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। आगामी फसल के लिए कृषि आदान की व्यवस्था सुनिश्चित करें। खाद वितरण की कलेक्टर कड़ी निगरानी करें।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में वृक्षारोपण का अभियान चलाएं। आमजनता की भागीदारी से अधिक से अधिक पौधों के रोपण का प्रयास करें। रोपित पौधों की देखभाल और सुरक्षा की भी उचित व्यवस्था करें। हर शहर और बड़े कस्बों में जन सहयोग से स्मृति वन का निर्माण कराएं। इसमें आमजनों द्वारा उनके पूर्वजों की स्मृति में पौधे रोपित कराएं। कोई भी व्यक्ति अपने जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों की स्मृति में इसमें वृक्षारोपण कर सकें ऐसी व्यवस्था करें। संभाग के सभी जिलों में वन राजस्व सीमा विवाद हैं। इसके निराकरण के लिए राजस्व और वन अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित करके उन्हें प्रशिक्षण दें। दोनों विभाग मिलकर वन व्यवस्थापन की कार्यवाही करें। वन्य प्राणियों से फसल की हानि होने पर इसके राहत प्रकरण राजस्व अधिकारी तैयार कर किसान को राहत राशि प्रदान करें। वन्य प्राणियों से जन हानि के प्रकरण में राहत राशि वन विभाग से दी जाएगी।

अतिरक्त मुख्य सचिव ने कहा कि गत संभागीय बैठकों के निर्णयों पर तेजी से अमल हुआ है। शेष लंबित बिंदुओं पर सभी अधिकारी तय समय सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित करें। कलेक्टर जमीन आवंटन तथा बड़ी परियोजनाओं से जुड़े अन्य कार्यों की व्यक्तिगत रूचि लेकर कार्यवाही सुनिश्चित करें। जल जीवन मिशन से सिंगरौली जिले में बैढ़न एक तथा बैढ़न दो समूह नल-जल योजनाओं में आवश्यक अनुमति जारी कर दी गई है। सिंगरौली में ट्राईबल के दो अधूरे निर्माण कार्यों की राशि लोक निर्माण विभाग पीआईयू को दे दी गई है। इसका निर्माण कार्य तत्काल शुरू कराएं। कलेक्टर सतना टमस परियोजना से जिन गांवों का डिनोटिफिकेशन किया गया है उनके किसानों को समय सीमा में जमीन वापसी की कार्यवाही करें। सिंगरौली की गोड़ सिंचाई परियोजना को स्वीकृति जारी कर दी गई है। सीधी से सिंगरौली फोरलेन सड़क निर्माण का कार्य वर्तमान में बंद है इसे तत्काल शुरू कराएं। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि ट्राईबल विभाग द्वारा अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में छात्रावास निर्माण के प्रस्ताव पर विश्वविद्यालय ने भूमि उपलब्ध कराने की सहमति दी है। शेष कार्यवाही विभाग सुनिश्चित करे। बैठक में रीवा संभाग के कमिश्नर गोपाल चन्द्र डाड ने कहा कि संभागीय समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों का तत्परता से पालन किया जा रहा है। बैठकों के बाद कई लंबित परियोजनाओं के कार्यों में तेजी आई है। कलेक्टर तथा अन्य अधिकारी तत्परता से बैठक के निर्देशों का पालन सुनिश्चित कर रहे हैं।

बैठक में उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न वितरण, बहुती जल प्रपात को पर्यटन केन्द्र के रूप में व्यवस्थित करने, बगदरा में गौ वन्य अभ्यारण्य के निर्माण, शिक्षकों की भर्ती, समूह नलजल योजनाओं की प्रगति तथा भू अर्जन के प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की गई। बैठक में आईजी एमएस सिकरवार, वन संरक्षक राजेश राय, कलेक्टर रीवा श्रीमती प्रतिभा पाल, कलेक्टर सतना अनुराग वर्मा, कलेक्टर मऊगंज अजय श्रीवास्तव, कलेक्टर मैहर रानी बाटड, डीआईजी साकेत पाण्डेय, उप संचालक संजय टाईगर रिजर्व अमित दुबे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, वन मण्डलाधिकारी तथा सभी संभागीय अधिकारी शामिल हुए। वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर सिंगरौली चन्द्रशेखर शुक्ला तथा अन्य अधिकारी बैठक में शामिल रहे।

आचार्य विद्यासागर गौसंवर्धन योजना के तहत 10 लाख रूपये का ऋण

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। पशुपालन विभाग के अंतर्गत आचार्य विद्यासागर गौसंवर्धन योजना संचालित की जा रही है। योजना का मुख्य उद्देश्य दुग्ध उत्पादन में वृद्धि, हितग्राहियों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाना, पशुओं की दुग्ध उत्पादन क्षमता में वृद्धि और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए योजना का लाभ किसानों को मिल सके, इसके लिए राज्य शासन द्वारा आचार्य विद्यासागर गौसंवर्धन योजना बनाई गई।

योजना में सभी वर्ग के हितग्राही शामिल है। इस योजना का लाभ लेने के लिए हितग्राही के पास कम से कम 5 पशु और एक एकड़ कृषि भूमि होना आवश्यक है। पशुओं की संख्या में वृद्धि होने से अनुपातिक रूप से वृद्धि का न्यूनतम कृषि भूमि का निर्धारण किया जाएगा। योजना के क्रियान्वयन को प्राथमिकता दी जाएगी।

योजना में सभी वर्ग के सीमांत एवं लघु कृषक योजना का लाभ ले सकते है। पशुपालक किसान न्यूतनम 5 या इससे अधिक पशु की योजना स्वीकृत करा सकता है जिसमें अधिकतम सीमा राशि 10 लाख रूपए तक का ऋण स्वीकृत किए जाने का प्रावधान है। परियोजना की लागत का 75 प्रतिशत राशि बैंक ऋण के माध्यम से प्राप्त करनी होगी तथा शेष राशि 25 प्रतिशत की व्यवस्था स्वयं किसान हितग्राही के द्वारा मार्जिन मनी सहायता एवं स्वयं के अंशदान के रूप में करनी होगी। इकाई लागत की 75 प्रतिशत पर या हितग्राही द्वारा बैंक से प्राप्त ऋण पर जो भी कम हो 5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से अधिकतम रूपए 25 हजार प्रतिवर्ष, ब्याज की प्रतिपूर्ति विभाग द्वारा 7 वर्ष तक की जाएगी। 5 प्रतिशत से अधिक शेष ब्याज की दर पर ब्याज की प्रतिपूर्ति हितग्राही को स्वंय करना होगी। योजना में सामान्य वर्ग के हितग्राहियों को लागत का 25 प्रतिशत अधिकतम डेढ़ लाख और अनुसूचित जाति एवं जनजाति को लागत का 33 प्रतिशत अधिकतम 2 लाख की सहायता दी जाएगी। योजना की विस्तृत जानकारी के लिए पशु चिकित्सा कार्यालय में संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

आकांक्षा योजना से कराई जायेगी जनजातीय विद्यार्थियों को जेईई, नीट और क्लैट की तैयारी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जनजातीय कार्य विभाग मध्यप्रदेश के जनजातीय विद्यार्थियों की उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से फ्री कोचिंग प्रदान करेगा। विभाग ने जनजातीय विद्यार्थियों को मेडिकल, इंजीनियरिंग एवं लॉ की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता परीक्षाओं जेईई, नीट और क्लैट की तैयारी करवाने के लिये 'आकांक्षा योजना' बनाई है। जनजातीय विद्यार्थी इन प्रतियोगी परिक्षाओं में अपने शासकीय शिक्षकों की मदद लेकर स्वयं तैयारी कर विशेष स्थान प्राप्त कर रहे हैं। आकांक्षा योजना में 10वीं में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति वर्ग के इच्छुक विद्यार्थियों से ऑनलाइन आवेदन मांगे जाते हैं। आवेदक विद्यार्थियों का कोचिंग संस्था द्वारा ली गई प्रवेश परीक्षा में मिले प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट पर वांछित कोचिंग के लिए चयन किया जाता है।

प्रदेश के 800 जनजातीय विद्यार्थी पाएंगे निःशुल्क कोचिंग: आकांक्षा योजना के तहत शैक्षणिक सत्र 2024-25 में राज्य स्तर पर प्रवेश परीक्षा से 400 विद्यार्थियों का चयन जेईई के लिए किया जाएगा। जेईई की कोचिंग भोपाल, नीट की कोचिंग इंदौर में एवं क्लैट की कोचिंग के लिए जबलपुर को चुना गया है, इनमें 200-200 विद्यार्थियों को चुना जाएगा।

टैबलेट से पढ़ेंगे जनजातीय विद्यार्थी, मिलेगी आवासीय सुविधा: आकांक्षा योजना में कोचिंग के लिए चयनित विद्यार्थियों को कोचिंग सेंटर पर भी आवासीय सुविधा दी जाएगी। साथ ही उन्हें इसकी तैयारी से संबंधित पुस्तकें और स्टेशनरी सहित मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। इन विद्यार्थियों को टेबलैट भी दिया जाएगा, जिसके लिए इंटरनेट एवं डाटा प्लान की सुविधा भी निःशुल्क प्रदान की जायेगी।

93 लाख के गेहूं घोटाले में पहली गिरफ्तारी

सतना पुलिस ने स्व सहायता समूह के ऑपरेटर को भेजा जेल

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। समर्थन मूल्य पर उपार्जन के दौरान सतना में हुए 93 लाख के चर्चित गेहूं घोटाले के मामले में आखिर सतना पुलिस ने गिरफ्तारियों का सिलसिला शुरू कर दिया है। पहली गिरफ्तारी घोटालेबाज स्व सहायता समूह के ऑपरेटर की हुई है। जानकारी के मुताबिक, 93 लाख के गेहूं उपार्जन घोटाले में शामिल जयतमाल बाबा स्व सहायता समूह कारीगोही के ऑपरेटर शिवा सिंह को धारकुंडी थाना पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी शिवा सिंह पिता केवल प्रताप सिंह (26) निवासी कारीगोही को अदालत में पेश किया गया। जहां से उसे पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस इस चर्चित घोटाले के मामले में उससे पूछताछ कर अन्य साक्ष्य संकलित करेगी।

गौरतलब है कि जायतमाल बाबा स्व सहायता समूह ने गेहूं उपार्जन केंद्र का काम लेकर 93 लाख रुपए का घोटाला किया। बिना केंद्र में गेहूं आए ही कागजों में गेहूं की खरीदी दर्शाई गई और फिर 13 ट्रकों में लोड कर गेहूं को वेयर हाउस भेजने के बारे में भी भी फर्जी टीसी जेनरेट कर किया गया। गेहूं वेयर हाउस में पहुंचने के पहले ही टीसी रेलवे रैक के लिए डायवर्ट कर दी गई। जबकि सतना में रेलवे का कोई रैक लगा ही नहीं था। इस मामले में राज्य शासन ने लापरवाही का दोषी पाते हुए नागरिक आपूर्ति निगम के तत्कालीन सतना जिला प्रबन्धक (डीएम) अमित गौड़ तथा तब के जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी नागेंद्र सिंह को निलंबित किया है। इस चर्चित घोटाले के मामले में ऑपरेटर शिवा सिंह के अलावा स्व सहायता समूह की अध्यक्ष,नागरिक आपूर्ति निगम के ऑपरेटर, सर्वेयर और परिवहन ठेकेदार के मैनेजर के खिलाफभी मुकदमा दर्ज है। हालांकि, अभी तक उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है।

शिवा ने बताया था संजय तिवारी को मास्टर माइंड: पुलिस की गिरफ्त में आए ऑपरेटर शिवा सिंह ने इस पूरे खेल में संजय तिवारी नामक शख्स का नाम मास्टर माइंड के तौर पर लेटे हुए एडीएम को लिखित जानकारी दी थी। संजय तिवारी ने फर्जी पंजीयन भी कराया था। हालांकि, अभी तक प्रशासन और पुलिस उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर पाए हैं। उसके सिद्ध गणेश समूह की भी जांच नहीं कराई जा सकी।

आकाशीय बिजली से संभावित दुर्घटनाओं से स्वयं को बचाये

बचाव के दिशा-निर्देशों का करें पालन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। आकाशीय बिजली (वज्रपात) से बचाव के लिए स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग ने जन समुदाय के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का पालन कर आकाशीय बिजली (वज्रपात) से सुरक्षा और बचाव किया जा सकता है।

आकाशीय बिजली (वज्रपात) से आउटडोर (घर के बाहर) बाहरी गतिविधियों में शामिल लोग जैसे खेतों, औद्योगिक स्थानों, निर्माण और सामग्री हैंडलिंग वाले स्थलों पर काम करने वाले लोग सर्वाधिक संवेदनशील होते हैं। आकाशीय बिजली किसी भी समय गिर सकती है। यह मानसून के पहले जून-जुलाई में अधिक होती है। दोपहर और सायंकाल के बीच वज्रपात की घटनाएं सर्वाधिक देखी जाती हैं।

ऊंची नुकीली संरचनाओं, पेड़ों पर आकाशीय बिजली गिरने की अधिक संभावना होती है। ऐसे स्थानों से दूर रहने की सलाह दी गई है। जारी निर्देश में कहा गया है कि धातु का मचान, धातु के उपकरण, पानी के पाइप या प्लम्बिंग, बिजली का संचालन करने वाली सामग्री अथवा सतहों के संपर्क से बचें। ऊंची अधोसंरचनाएं, पहाड़ी टेकरी, बिजली के खंभे, टेलीफोन के खंभे, ऊंचा पेड़, छत, मचान, धातु की सीढ़ी, बड़े मशीन जैसे बुलडोजर, क्रेन और ट्रेक्टर जैसे वाहनों से दूर रहें। विस्फोट संभावित क्षेत्रों तथा उद्योग स्थलों से तत्काल सुरक्षित स्थल की ओर प्रस्थान करें। धातुयुक्त वाहनों से विद्युत प्रवाह संभावित होने के कारण तुरंत सुरक्षित स्थलों की ओर जाएं। सड़क पर होने पर तुरंत किसी भवन के अंदर शरण लें। आकाशीय बिजली के गर्जन सुनाई देने के बाद कम से कम 30 मिनट तक सुरक्षित स्थान पर बने रहें।

सुरक्षित संरचना, घर, कार्यस्थल पर सुरक्षात्मक अपनाये: बिजली एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के संपर्क से दूरी बनाए रखें। इन्हें पावर प्लग से पृथक करें। बिजली का प्रवाह किसी भी दीवार, फर्श, इलेक्ट्रिकल सिस्टम, रेडियो और टेलीविजन रिसेप्शन सिस्टम तारों के माध्यम से हो सकता है। घर, कार्यालय में अर्थिंग सुनिश्चित करें। खुले हुए खिड़की, दरवाजे, धातु के पाइप इत्यादि के पास खड़े नहीं रहें। पानी के धातु पाइप से बिजली प्रवाहित हो सकती है।

विभाग द्वारा चिकित्सकीय सेवाओं के प्रदाय के लिए आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये हैं। प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों के लिए विशेष कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिये गये हैं। पर्याप्त संख्या में औषधियाँ, सामग्री और पैरामेडिकल स्टॉफ का उन्मुखीकरण सुनिश्चित करने को कहा गया है। सभी शासकीय चिकित्सालयों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आशा कार्यकर्ताओं ए.एन.एम./सी.एच.ओ. के पास जीवन रक्षक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित हो। बहु-उद्देशीय कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं आशा पर्यवेक्षकों को स्थानीय स्तर पर आपात सेवा स्थापित करने के लिए तैयार रखा जाये। शासकीय अमले की सहायता के लिये स्थानीय स्वयंसेवी संगठनों व पैरामेडिकल स्टॉफ को चिन्हित कर आपात स्थिति में उनकी सेवाएं प्राप्त करने की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये हैं।

मझगवां रोड पर हिट एंड रन

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत, उचेहरा के धनेह में पलटा ट्रक, ड्राइवर घायल

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना-चित्रकूट स्टेट हाईवे पर हुए एक सड़क हादसे में जहां एक बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उचेहरा मार्ग पर धनेह के पास ट्रक पलट जाने से ड्राइवर घायल हो गया।

हासिल जानकारी के मुताबिक, सतना - चित्रकूट स्टेट हाईवे पर मझगवां थाना क्षेत्र के चितहरा मोड़ के पास शुक्रवार की दोपहर हुए एक सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

मृतक की शिनाख्त सत्यनारायण सिंह पिता सोहन सिंह निवासी तुर्रा थाना मझगवां सतना के रूप में हुई है।

बताया जाता है कि शुक्रवार की दोपहर उस क्षेत्र में बारिश हो रही थी। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने सत्यनारायण की बाइक को टक्कर मार दी। हादसे की सूचना मिलते ही मझगवां पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की शिनाख्त होने के बाद परिजन को भी सूचना दे दी गई है।

उधर, उचेहरा थाना क्षेत्र के धनेह गांव के पास एक ट्रक बेकाबू होकर पलट गया। नागौद - उचेहरा मार्ग पर हुए इस हादसे में ट्रक ड्राइवर को चोटें आई हैं। ग्रामीणों ने ड्राइवर को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। दुर्घटनाग्रस्त हुए ट्रक में टमाटर लोड था।

जिले में अब तक 47.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

सतना निप्र। जिले में इस वर्ष 1 जून से 28 जून तक 47.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 137.3 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 53.2 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 35.5 मि.मी, बिरसिंहपुर में 31 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 9 मि.मी., नागौद में 65.3 मि.मी., जसो (नागौद) में 14.8 मि.मी. एवं उचेहरा में 36 मि.मी. औसत वर्षा अब तक दर्ज की जा चुकी है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 1039.7 मि.मी. है। विगत वर्ष इस अवधि तक जिले में औसत वर्षा 32.2 मि.मी. वर्षा दर्ज की जा चुकी थी।

सभी विभाग पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग से विकास का एनुअल प्लान बनायें : प्रतिमा बागरी

जिला पंचायत के सामान्य सम्मिलन में शामिल हुईं राज्यमंत्री

राज्यमंत्री बागरी शुक्रवार को जिला पंचायत सतना के सामान्य सम्मिलन की बैठक में शामिल हुई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। नगरीय प्रशासन एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा है कि शासन के सभी विभागों के अधिकारी पंचायत राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय और सहयोग से विकास का वार्षिक प्लान तैयार करें। उन्होंने कहा कि जिले के विकास और प्रगति के लिए पंचायत प्रतिनिधि और शासकीय अधिकारी विकास कार्यों की पंचवर्षीय कार्य योजना तैयार करें और एक वर्ष में पूरे हो सकने वाले कार्यों को पूरा करने वार्षिक कार्य योजना भी तय करें। और कार्यवाही में हिस्सा लिया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह परिहार, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, जिला पंचायत की समितियों के सभापति ज्ञानेंद्र सिंह ज्ञानू, तारा पटेल, सुभाष चंद्र बुनकर, हरीशकांत त्रिपाठी, रमाकांत पयासी, सांसद प्रतिनिधि शांतिभूषण पांडेय सहित जिला पंचायत सदस्य, जनपद अध्यक्ष सोहावल राजेश रावत एवं सभी विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला पंचायत की सामान्य सम्मिलन की बैठक में पिछली बैठक के निर्णयों के पालन-प्रतिवेदन के अलावा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जलजीवन मिशन, जल संसाधन, वन विभाग, विद्युत विभाग की राजीव गांधी ग्रामीण विद्युत योजना, शिक्षा विभाग, खाद्य एवं सहकारिता विभाग, कृषि विभाग, जिला पंचायत एवं मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम से संबंधित एजेंडे और वित्तीय वर्ष 2024-25 की जिला पंचायत की कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने किये मां शारदा देवी के दर्शन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मैहर प्रवास के दूसरे दिन शुक्रवार को मां शारदा देवी मंदिर में मां शारदा के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी, संतोष सोनी एवं स्थानीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नवीन ट्रांसफार्मर की स्थापना के लिये किया भूमिपूजन: प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मैहर जिले के ग्राम अमदरा में राजेश सिंह गौड़ के घर में रात्रि विश्राम करने के बाद शुक्रवार की सुबह ग्राम पंचायत अमदरा का भ्रमण किया। उन्होंने इस दौरान बिजली विभाग के ट्रांसफार्मर और लाइन संधारण कार्य का निरीक्षण किया। अमदरा में 12 ट्रांसफार्मर लगे हैं और यहां 598 बिजली उपभोक्ता है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने गुरुवार की जन चौपाल में ग्रामीण जनों की मांग पर शुक्रवार को ही अमदरा में एक नए ट्रांसफार्मर का भूमिपूजन किया। उन्होंने भ्रमण के दौरान अमदरा के एक बिजली उपभोक्ता के घर बैठ कर चाय पी।

मैहर जिले के प्रवास के दौरान मंत्री श्री तोमर ने स्थानीय जनों से सौजन्य भेंट भी की। इस दौरान मंत्री श्री तोमर अमदरा के पास नौगवां स्थित कश्मीर में आंतकी हमले में शहीद हुये एएसआई शंकर प्रसाद पटेल के घर भी पहुंचे। यहां पर उन्होने स्व. शंकर प्रसाद पटेल के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।